होली आने से पूर्व ही प्रकृति की रंगत खुशनुमा हुई...

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

सुविचार
हम भविष्य की इतनी चिंता करते हैं
कि आज को जीना भूल जाते हैं।

कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 27 फरवरी से 05 मार्च 2026

जिसे शस्त्र ना काटे ना अग्नि जलावे, बुझावे ना पानी,
ना वायु सुखावे, वही आत्मा सच्चिदानंद में हो।।

प्रथम पुण्यतिथि

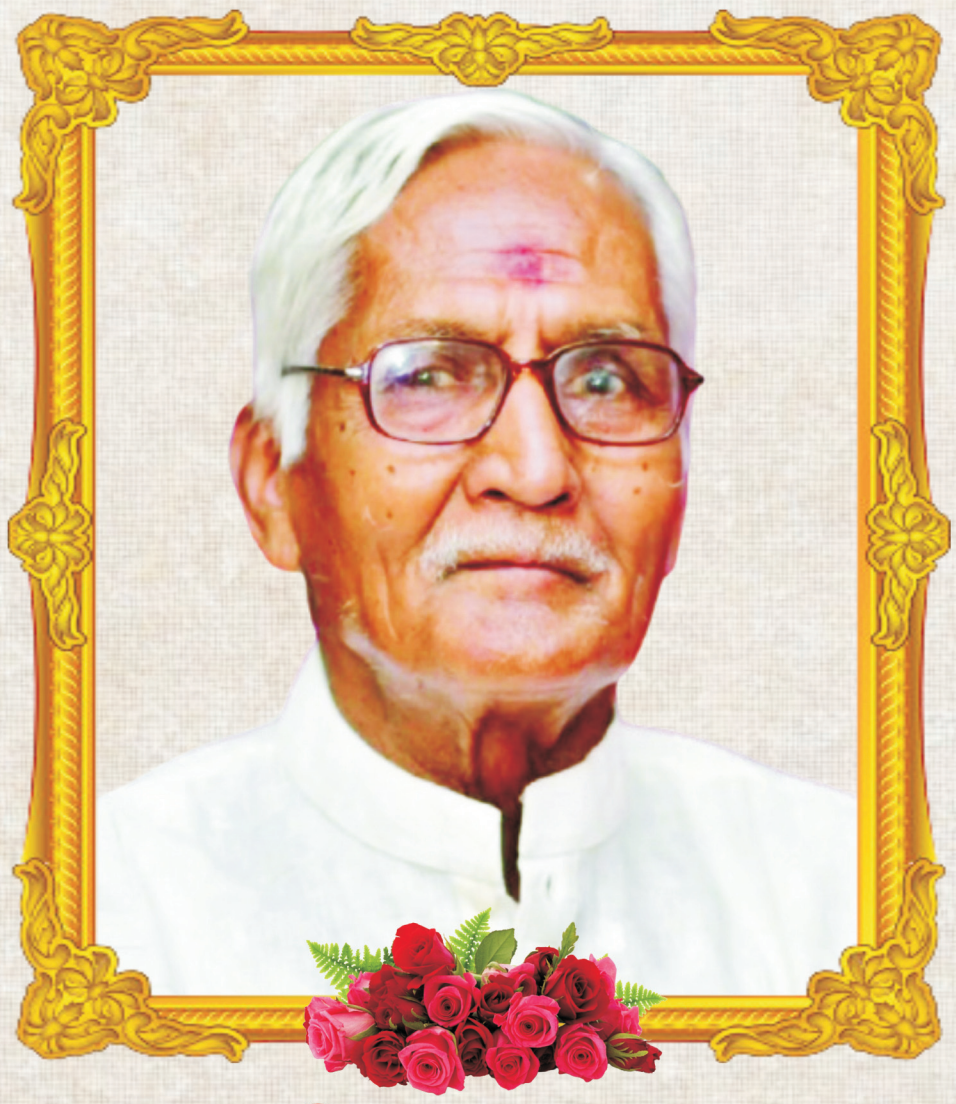

द्विजोत्तम स्व. श्री रामगोपाल पाण्डेय जी

स्वर्गारोहण : 01 मार्च 2025, फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वितीया विक्रम संवत् 2081

यद्यपि आपका नश्वर शरीर आज हमारे बीच नहीं है और एक वर्ष पूर्व 01 मार्च 2025 तिथि- फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वितीया विक्रम संवत् 2081 को देव लोक की अनंत यात्रा पर चले गये। परंतु आपके दिए हुए संस्कार, आपकी दी हुई सीख और मानवीय मूल्यों को प्रेरणा समझकर अपने जीवन में उतार कर आगे बढ़ रहे हैं। आप माँ भारती के सच्चे सपूत थे और आजीवन माँ भारती के लिए समर्पित रहे।

आपकी प्रेरणा हमारा संबल है।

आज आपकी बहुत याद आ रही है और अश्रु रूक नहीं रहे हैं।

पिता धर्मः
पिता स्वर्गः
पिता ही परमं तपः।

आपकी प्रथम पुण्यतिथि पर आपके श्री चरणों में

शत् शत् नमन...

पितरि प्रीतिमापन्ने
सर्वाः प्रीयंति देवताः

शोक संतप्त परिवार :-

ओम प्रकाश पाण्डेय (भतीजा)
एवं समस्त पाण्डेय परिवार

ॐ शान्ति

शोकाकुल : -

सुनील पाण्डेय (पुत्र) मो.: 98271-61966
सुबोध पाण्डेय (पुत्र) मो.: 94255-32558
पंकज पाण्डेय (पुत्र) मो.: 90091-60151
श्रीमती रूक्मिणी पाण्डेय (धर्मपत्नी)

पं. रामगोपाल पाण्डेय कहा करते थे - समाज ने हमें बहुत कुछ दिया, समाज को भी कुछ देने का प्रयास करते रहें...।

गंभीर सड़क हादसे में घायल युवक को मिला नया जीवन, एनकेएच में सफल ब्रेन सर्जरी

कोरबा (दिव्य आकाश)।

एनकेएच सुपर-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में चिकित्सकों की टीम ने एक गंभीर सड़क दुर्घटना में घायल युवक का जटिल ब्रेन ऑपरेशन सफलतापूर्वक कर उसे नया जीवन दिया। करीब 40 दिन तक चले इलाज और गहन निगरानी के बाद अब युवक पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौट चुका है।

जानकारी के अनुसार 20 वर्षीय ऋषि कुमार 16 जनवरी की शाम कसनिया ओवरब्रिज के पास सड़क हादसे का शिकार हो गया था। दोपहिया वाहन से जा रहे युवक की ट्रैक्टर से टक्कर हो गई, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई। हादसे के बाद वह अचेत अवस्था में था और उसे उल्टी तथा कान-नाक से रक्तस्राव की शिकायत थी। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे एनकेएच अस्पताल रेफर किया गया।

अस्पताल पहुंचने पर जांच में युवक के मस्तिष्क में गंभीर चोटें पाई गईं । स्थिति अत्यंत नाजुक होने पर न्यूरोसर्जन डॉ. शिवानी के नेतृत्व में 17 जनवरी को आपातकालीन डिकम्प्रेसिव क्रेनियोटॉमी सर्जरी की गई। ऑपरेशन के दौरान मस्तिष्क में जमा लगभग 50 सीसी रक्त निकाला गया और फ्रैक्चर का उपचार किया गया। सर्जरी में एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. रोहित मजूमदार एवं उनकी टीम ने सहयोग किया।

ऑपरेशन के बाद मरीज को आईसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया। उपचार के दौरान सांस लेने में दिक्कत होने पर ट्रेकियोस्टॉमी भी करनी पड़ी। लगभग 40 दिन तक गहन उपचार और निरंतर निगरानी के बाद युवक की स्थिति में सुधार हुआ और उसे वार्ड में शिफ्ट किया गया। बाद में पूरी तरह स्वस्थ होने पर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। परिजनों ने बताया कि एक समय उन्होंने उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की लगातार मेहनत और देखभाल से युवक की जान बच सकी। स्वस्थ होकर घर लौटने पर परिवार ने चिकित्सकों और अस्पताल प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया।

'शिवाय हॉस्पिटल' का भव्य शुभारंभ 07 मार्च को

कोरबा (दिव्य आकाश)।

28 फरवरी को शिवाय हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. दिविक मित्तल ने प्रेस क्लब तिलक भवन कोरबा में प्रेसवार्ता ली और शुभारंभ होने वाले शिवाय हॉस्पिटल के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर हॉस्पिटल में सेवा देने वाली टीम के बारे में भी जानकारी दी। प्रेसवार्ता में डॉ. आस्था वैष्णव, डॉ. अमन श्रीवास्तव और डॉ. यशा मित्तल सहित टीम के सदस्य उपस्थित थे।

डॉ. मित्तल ने बताया छत्तीसगढ़ की ऊर्जा नगरी कोरबा में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नई और महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में 100 बेड की आधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त स्वास्थ्य संस्था शिवाय हॉस्पिटल का शुभारंभ दिनांक 07 मार्च 2026, शनिवार को अंचलवासियों के लिए किया जा रहा है।

अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों, नवीनतम तकनीक एवं अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम से सुसज्जित यह अस्पताल क्षेत्र के नागरिकों को उच्चस्तरीय, सुरक्षित एवं समयबद्ध उपचार प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। अस्पताल परिसर को आधुनिक मानकों के अनुरूप विकसित किया गया है, जहाँ स्वच्छता, सुरक्षा एवं रोगी सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है।

अस्पताल में 24×7 आपातकालीन सेवा उपलब्ध रहेगी। किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में त्वरित चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षित मेडिकल स्टाफ एवं आधुनिक उपकरण निरंतर उपलब्ध रहेंगे। भर्ती मरीजों के लिए वातानुकूलित वार्ड, प्राइवेट एवं सेमी-प्राइवेट कक्ष की व्यवस्था की गई है। साथ ही मरीज के परिजनों के ठहरने हेतु समुचित एवं सुरक्षित सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। हाईजेनिक भोजन कक्ष की व्यवस्था अस्पताल परिसर में ही की गई है, जिससे रोगियों को संतुलित एवं स्वच्छ आहार मिल सके।

अस्पताल में न्यूरो सर्जरी, शिशु रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग, हड्डी रोग, जनरल सर्जरी, फिजियोथेरेपी तथा रेडियोलॉजी जैसे प्रमुख विभाग संचालित रहेंगे। बच्चों के लिए समर्पित आईसीयू, 20 बेड का अत्याधुनिक नवजात शिशु आईसीयू (NICU) तथा 20 बेड का वयस्क (एडल्ट) आईसीयू की विशेष सुविधा उपलब्ध रहेगी।

चार अत्याधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर स्थापित किए गए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हैं। डायलिसिस यूनिट की सुविधा भी अस्पताल में उपलब्ध रहेगी, जिससे किडनी रोग से पीड़ित मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर उपचार मिल सकेगा।

डायग्नोस्टिक सेवाओं के अंतर्गत सीटी स्कैन, सोनोग्राफी, डिजिटल एक्स-रे, C-ARM मशीन (विशेष रूप से हड्डी रोग सर्जरी हेतु), एनसीयू एवं ईएमसी जैसी उन्नत सुविधाएँ उपलब्ध रहेंगी। इससे रोग की त्वरित एवं सटीक पहचान कर उपचार प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जा सकेगी।

फिजियोथेरेपी विभाग में एडवांस लेज़र तकनीक के माध्यम से उपचार किया जाएगा। सायटिका एवं स्पाइनल डेकोम्प्रेशन ऑपरेशन मशीन द्वारा रीढ़ संबंधी जटिल समस्याओं का समाधान संभव होगा। लकवा (पैरालिसिस) के मरीजों के लिए आधुनिक उपकरणों द्वारा वैज्ञानिक एवं समग्र उपचार पद्धति अपनाई जाएगी। विशेष रूप से छत्तीसगढ़ का पहला स्पाइनल मोबाइलाइज ट्रैक्शन यूनिट यहाँ स्थापित किया गया है, जो स्लिप डिस्क, सायटिका तथा रीढ़ की हड्डी में नस दबने जैसी समस्याओं के उपचार में अत्यंत प्रभावी सिद्ध होगा।

अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि भविष्य में कार्डियोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एवं अन्य सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं को भी चरणबद्ध रूप से प्रारंभ करने की योजना है, ताकि क्षेत्रवासियों को बड़े महानगरों की ओर रुख न करना पड़े।

वर्तमान समय में बदलते जलवायु परिदृश्य, बढ़ती जनसंख्या एवं आकस्मिक स्वास्थ्य चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए 'शिवाय हॉस्पिटल' की स्थापना की गई है। अस्पताल का उद्देश्य केवल उपचार प्रदान करना नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना और समर्पण के भाव के साथ स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना है। 'शिवाय हॉस्पिटल' अंचलवासियों के स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्ध है और किसी भी समय, किसी भी आपात स्थिति में सेवा प्रदान करने हेतु तत्पर रहेगा।

एसईसीएल मुख्यालय के 3 कर्मियों को सेवानिवृत्ति पर दी गई विदाई

बिलासपुर/कोरबा (दिव्य आकाश)।

28 फरवरी 2026 को एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों को अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक हरीश दुहन ने निदेशक तकनीकी (संचालन) एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (कार्मिक) बिरंची दास, निदेशक (योजना/परियोजना) रमेश चन्द्र महापात्र एवं विभिन्न विभागाध्यक्षों, श्रम संघ प्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में मुख्यालय बिलासपुर स्थित सीएमडी कक्ष में शाल, श्रीफल, पुष्पहार से सम्मानित कर समस्त भुगतान का चेक प्रदान कर भावभीनी विदाई दी गयी।सेवानिवृत्त होने वालों में 3 कर्मी आनंद बक्शी उप महाप्रबंधक (वित्त) आंतरिक अंकेक्षण विभाग, अनिल कुमार सिंह वरीय अधिकारी (सर्वे) भू-राजस्व विभाग, श्रीमती रीता तिवारी कार्यालय अधीक्षक ए-1 निदेशक तकनीकी संचालन सचिवालय हैं।

शीर्ष प्रबंधन ने अपने उद्बोधनों में कहा कि सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी-कर्मचारी अपनी कार्यकुशलता और समर्पण से एसईसीएल को सफलता की नई ऊँचाइयों तक लेकर गए हैं। उनके योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा। प्रबंधन ने सभी के उज्ज्वल भविष्य और सुखद पारिवारिक जीवन की कामना की।

सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी कम्पनी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि एसईसीएल में कार्य करना गौरव का विषय रहा। उन्होंने कहा कि यहाँ के अधिकारी और कर्मचारी कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करते हैं और किसी भी जिम्मेदारी को पूर्ण निष्ठा से निभाते हैं।

कार्यक्रम का संचालन एवं सेवानिवृत्त कर्मियों का परिचय प्रबंधक (राजभाषा) श्रीमती सविता निर्मलकर ने सफलतापूर्वक किया।

युवक की आवश्यकता है
(रिसेप्शनिष्ट)
नूडल्स, मैगी
बनाना आता हो
संपर्क करें -
Snookyard Café
प्रथम मंजिल, अंकिता कॉम्प्लेक्स
सुभाष चौक, निहारिका, कोरबा
मो.: 79997-72254
वेतन आकर्षक

जपेली में झरिहार दास साहेब के समाधि स्थल पर छत निर्माण का भूमिपूजन

अजय जायसवाल रहे मुख्य अतिथि

कोरबा/कटघोरा (दिव्य आकाश)।

कटघोरा ब्लॉक के ग्राम जपेली में सिद्ध पुरुष महंत झरिहार दास साहेब की समाधि स्थल पर छत निर्माण कार्य का 28 फरवरी को भूमिपूजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत कोरबा के पूर्व उपाध्यक्ष अजय जायसवाल उपस्थित थे। मानिकपुरी पनिका समाज एवं समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से छत निर्माण होगा और इसका भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम जपेली के कबीर पंथी परिवार एवं समस्त ग्रामवासी पंचायत प्रतिनिधि एवं महंत समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। संत श्री कबीर साहेब के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि अजय जायसवाल का स्वागत पुष्पहार भेंट कर किया गया। इस अवसर पर अजय जायसवाल ने अपने उद्बोधन में सभी समाज एवं सभी वर्ग को समान मानने एवं सत्य के मार्ग पर चलने की बात कही। कहा कि हम सब को संत श्री कबीर साहब के विचार को पढ़ने और उसे वर्तमान भाग-दौड़ भरी जिंदगी में आत्मसात करने की आवश्यकता है। सत्य के मार्ग को अपनाते हुए प्रगति पथ की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर माखन दास, मुकेश दास, गणपत दास,बहारन दास, अजय कांत, इतवार दास एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

वर्ष - 16, अंक - 47 | कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 27 फरवरी से 05 मार्च 2026 | पृष्ठ-8, मूल्य-रू.3.00

सुविचार

हिंसा विनाश और नफरत का मार्ग है, जो कभी स्थायी समाधान नहीं निकाल सकती।

तबाही

अमेरिका-इजराइल का ईरान पर हमला, 40 छात्राओं की मौत

ईरान ने भी इजराइल-दुबई पर मिसाइलें दागीं, कतर-UAE में अमेरिकी मिलिट्री बेस पर अटैक

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी।

इजराइल ने शनिवार सुबह ईरान की राजधानी तेहरान समेत कई शहरों पर हमला कर दिया। इरना न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इन हमलों में दक्षिणी ईरान में 40 छात्राओं की मौत हो गई। जबकि 45 घायल हैं।

इसके जवाब में ईरान ने भी इजराइल पर जवाबी हमले शुरू कर दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने पलटवार करते हुए करीब 400 मिसाइलें दागीं हैं।

ईरान ने इजराइल के अलावा कुवैत, कतर, बहरीन और सऊदी अरब में मौजूद अमेरिकी बेस पर भी हमला किया है। ईरान ने UAE के सबसे ज्यादा आबादी वाले शहर दुबई को भी निशाना बनाया है।

दरअसल, इजराइल ने ईरान के खुफिया मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, सुप्रीम लीडर खामेनेई का ऑफिस और ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन को निशाना बनाया। हमले के बाद खामेनेई को सुरक्षित जगह शिफ्ट कर दिया गया है।

अमेरिका और इजराइल का जॉइंट मिलिट्री एक्शन

इजराइल ने ईरान के खिलाफ अपने नए अभियान का नाम 'लियोनस् रोर' (शेर की दहाड़) रखा है। वहीं अल जजीरा ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि यह अमेरिका और इजराइल का जॉइंट मिलिट्री एक्शन है।

यह हमला ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु हथियारों को लेकर चल रही बातचीत के बीच हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान पर हमले की धमकी दी थी। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई का मकसद अमेरिका और उसके लोगों को खतरे से बचाना है।

ट्रम्प के मुताबिक, अमेरिकी सेना ईरान की मिसाइलों को तबाह करने और उसके मिसाइल प्रोग्राम को खत्म करने की कोशिश कर रही है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान संघर्ष में दावा- 300 की मौत, 500 घायल

ट्रम्प बोले- पाकिस्तान अच्छा प्रदर्शन कर रहा, PAK का दावा- आतंकी हमलों के पीछे भारत

काबुल/इस्लामाबाद, एजेंसी।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष में दोनों पक्षों के 300 से ज्यादा लोगों मारे गए हैं, जबकि 500 से ज्यादा घायल हुए। दोनों देश आगे भी एक दूसरे को सैन्य कार्रवाई करने की धमकी दे रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से जब पूछा गया कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच अमेरिका दखल देगा? इस पर उन्होंने कहा कि मैं दखल दे सकता हूं, लेकिन मेरे पाकिस्तान से बहुत अच्छे रिश्ते हैं। पाकिस्तान इस समय काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। वहीं पाकिस्तान के सैन्य प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि देश में होने वाले आतंकी हमलों के पीछे भारत की भूमिका है।

पाकिस्तान का दावा- 274 अफगान लड़ाके मारे

पाकिस्तान सेना के प्रवक्ता अहमद शरीफ चौधरी के अनुसार, अब तक 274 तालिबान लड़ाके मारे गए हैं और 400 से ज्यादा घायल हुए हैं। उनका कहना है कि 115 टैंक और बख्तरबंद गाड़ियां नष्ट की गईं, 74 चौकियां तबाह की गईं और 18 चौकियों पर पाकिस्तानी सेना ने कंट्रोल कर लिया है। पाकिस्तान ने यह भी स्वीकार किया कि उसके 12 सैनिक मारे गए और 27 घायल हुए हैं। वहीं तालिबान का कहना है कि उसके सिर्फ 8 से 13 लड़ाके मारे गए और कुछ घायल हुए हैं। उसने दावा किया कि 55 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और दो सैन्य मुख्यालयों समेत कई चौकियों पर कब्जा किया गया। तालिबान ने चेतावनी दी है कि अगर पाकिस्तान ने आगे हमला किया तो और कड़ा जवाब दिया जाएगा।

उनका कहना है कि इन गतिविधियों के लिए अफगान तालिबान के क्षेत्र का इस्तेमाल किया जाता है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में संघर्ष की शुरुआत गुरुवार देर रात हुई, जब अफगानिस्तान ने 22 फरवरी को हुए पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक के जवाब में कार्रवाई की। इसके बाद में पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन गजब-लिल-हक' शुरू किया। पाकिस्तानी वायुसेना ने काबुल, कंधार, पक्तिया, नंगरहार और अन्य प्रांतों में एयरस्ट्राइक की।

शराब घोटाला केस

सौम्या चौरसिया को मिली बेल

बिलासपुर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला केस में गिरफ्तार पूर्व सीएम भूपेश बघेल की डिप्टी सेक्रेटरी रहीं सौम्या चौरसिया को हाईकोर्ट ने जमानत दे दी है। हालांकि, कोर्ट ने कुछ शर्तें भी रखी हैं। ऐसे में उनका जेल से बाहर आना मुश्किल है।

दरअसल, सौम्या चौरसिया को पहले कोयला घोटाले में गिरफ्तार किया गया था। लंबे समय तक जेल में रहने के बाद सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई थी। 2 महीने पहले ही शराब घोटाले केस में फिर उसे ED और आर्थिक अपराध शाखा (EOW) ने गिरफ्तार किया था। जिस पर हाईकोर्ट ने बेल दी है।

सौम्या के वकील हर्षवर्धन परगनिहा ने बताया कि शर्त ये है कि EOW ने बेल दे दी है। इसमें कंडीशन ये दी गई है कि जिस दिन इस केस में चार्जशीट पेश होगा, उस दिन उन्हें जमानत मिलेगी। वकील के मुताबिक, आज से 45 दिन बाद सौम्या जेल से बाहर आ जाएगी।

बच्चों की इम्युनिटी बढ़ाने पंचकर्म चिकित्सालय में दिया गया स्वर्ण प्राशन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

हर माह के पुष्य नक्षत्र में बच्चों की इम्युनिटी बढ़ाने के लिए पंचकर्म चिकित्सालय टी पी नगर कोरबा में स्वर्ण प्राशन संस्कार की दो बूंद दी जाती है। डॉ. मनीषा सिंह ने बताया कि स्वर्ण प्राशन से बच्चों में अद्भूत रूप से मस्तिष्क एवं शरीर में लाभ मिलता है।

होली से पहले किसानों की दिवाली: सीएम ने किसानों के खाते में डाले 10 हजार 324 करोड़

किसानों के सम्मान और समृद्धि के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

263.17 करोड़ के 89 कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी

बिलासपुर (दिव्य आकाश)।

28 फरवरी को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बिल्हा विकासखण्ड के रहंगी में कृषक उन्नति योजना अंतर्गत आयोजित आदान सहायता राशि वितरण समारोह एवं वृहद किसान सम्मेलन में प्रदेश के 25.28 लाख किसानों के खातों में 10 हजार 324 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का अंतरण किया। इनमें बिलासपुर जिले के 1 लाख 25 हजार 352 किसान शामिल हैं, जिनके खातों में 494.38 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गई।

मुख्यमंत्री ने जिले के विकास को नई गति देते हुए 15.99 करोड़ रुपए की लागत से पूर्ण हुए 7 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 247.18 करोड़ रुपए की लागत के 82 विकास कार्यों का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित अन्य अतिथियों का खुमरी और नांगर भेंटकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में 'कृषक उन्नति योजना का वरदान, छत्तीसगढ़ का हर किसान धनवान' थीम पर आधारित वीडियो का विमोचन भी किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज का दिन किसान भाइयों के सम्मान का दिन है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 25 लाख 28 हजार से अधिक किसानों ने धान बेचा है और कृषक उन्नति योजना के माध्यम से आज 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि किसानों के खातों में अंतरित की गई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसान भाई होली का त्योहार अच्छे से मनाएं, इसलिए होली के पूर्व यह राशि प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार किसान हितैषी सरकार है और किसानों की चिंता करते हुए उनके लिए प्रगतिशील योजनाएं लाई गई हैं। इस बार किसानों को बारदाने की कोई समस्या नहीं हुई और किसानों के खातों में राशि भी समय पर पहुंची है। उन्होंने कहा कि सरकार ने शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर किसानों को ऋण लेने की सुविधा प्रदान की है और आज लाखों किसान किसान क्रेडिट कार्ड का लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसानों को धान की सर्वाधिक कीमत देने की व्यवस्था की गई है, जो अन्यत्र कहीं नहीं है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भूमिहीन कृषि मजदूरों के खातों में भी राशि अंतरित की जा रही है। खाद में सब्सिडी, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार सहित किसानों की समृद्धि के लिए हर स्तर पर कार्य किया जा रहा है तथा सहकारिता को लाभकारी बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों को 6000 रुपए सम्मान निधि की राशि प्रदान की जा रही है। इस वर्ष के बजट में कृषि के लिए 13 हजार करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किसानों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता को दर्शाता है। किसानों को खेतों में पर्याप्त पानी मिले, इसके लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज नक्सलवाद बस्तर क्षेत्र से समाप्ति की ओर है और इस दिशा में हम सफल हो रहे हैं। निश्चित रूप से मार्च 2026 तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का संकल्प पूरा होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संसाधनों से परिपूर्ण राज्य है और खनिजों का समुचित दोहन कर राज्य को विकास के पथ पर आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। राज्य में पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए एनडीडीबी से समझौता किया गया है और अब छत्तीसगढ़ में भी दुग्ध क्रांति आने वाली है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभी गारंटियों को पूरा करने के लिए पूरी तत्परता से कार्य किया है और विगत दो वर्षों के कार्यकाल में अधिकांश वादों को पूरा कर लिया गया है। राज्य में सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 18 लाख गरीब परिवारों को आवास स्वीकृत किए गए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया गया है तथा प्रशासन में पारदर्शिता लाने के लिए ई-ऑफिस प्रणाली लागू की गई है। मुख्यमंत्री ने सभी की सहभागिता से विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के संकल्प को दोहराया।

गरियाबंद में नक्सली-डंप से 46 लाख 31 हजार कैश मिला

भरमार बंदकू, ग्रेनेड लांचर और विस्फोटक सामग्री भी बरामद, सरेंडर नक्सलियों ने दिया सुराग

गरियाबंद, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में नक्सली डंप से 46 लाख कैश मिला है। ओडिशा बॉर्डर से लगे भालूडिग्गी पहाड़ जहां नक्सलियों की बैठके होती थी। इसी इलाके के निचले हिस्से में जमीन पर बड़ी मात्रा में कैश और डंप ड्रम में गाड़कर रखा गया था। सरेंडर नक्सलियों के इनपुट पर 28 फरवरी को पुलिस और सुरक्षाबलों ने बरामद किया।

1 साल पहले इसी इलाके में 80 घंटे तक चले एनकाउंटर में 16 नक्सली मारे गए थे। जिसमें 90 लाख इनामी और सीसी मेंबर चलपति भी मारा गया था। चलपति भालूडिग्गी पहाड़ से धमतरी, नुआपड़ा और गरियाबंद जिले को कंट्रोल करता था। ये पहाड़ नक्सलियों का डेरा होता था, हालांकि अब यहां एक भी नक्सली नहीं बचे हैं। मामला मैनपुर

थाना क्षेत्र का है। पहले डंप से बरामद कैश में 2 लाख के 2 हजार के पुराने नोट और बाकी 500 रुपए के नोट हैं। दूसरे डंप में ग्रेनेड, बंदूक, हथियार थे।

पीएम बोले- कांग्रेस के कुकर्मों को देश माफ नहीं करेगा:ये अब INC नहीं, MMC है यानि मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस

अजमेर, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के अजमेर से ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (HPV) वैक्सीनेशन अभियान की शुरुआत की। जनसभा में मोदी ने कहा- कांग्रेस को कुकर्मों के लिए देश कभी माफ नहीं करेगा। पूरे देश में कांग्रेस लगातार हार रही है और गुस्से में इसका बदला भारत को बदनाम करके ले रही है। कभी कांग्रेस INC यानी इंडियन नेशनल कांग्रेस थी। अब INC नहीं बची है। आज वो MMC बन गई है। MMC यानी मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस।

शनिवार को पीएम मोदी अजमेर के कायड़ विश्रामस्थली में सभा को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले अभियान की शुरुआत में मनीषा रावत, भूमिका, पूर्वी अग्रवाल, चंचल, चिड़िया मेघवंशी को वैक्सीनेशन लगाई गई। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी लड़कियों से वैक्सीनेशन के बारे में जानकारी ली। साथ ही यह भी पूछा कि टीका क्यों लगाया जाता है? प्रधानमंत्री ने छात्राओं से एग्जाम के बारे में बात की। पूर्वी अग्रवाल और चंचल ने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री से बात करके बहुत अच्छा लगा। प्रधानमंत्री ने युवाओं को सरकारी नौकरी के जॉइनिंग लेटर भी दिए।

पीएम ने साणंद में सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन किया

साणंद (गुजरात), एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के साणंद में माइक्रोन टेक्नोलॉजी की सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग (ATMP) फैसिलिटी का उद्घाटन किया। पीएम ने कहा कि 10-11 साल पहले तक भारत में डेटा और चिप की चर्चा कम होती थी। पहले देश की पहचान सॉफ्टवेयर के रूप में थी, आज भारत हार्डवेयर बनाने के लिए भी पहचाना जाने लगा है।

उन्होंने कहा- जून 2023 में MOU साइन हुआ, सितंबर 2023 में काम शुरू हुआ और फरवरी 2026 में यहां प्रोडक्शन शुरू हो गया। इस सेक्टर को जानने वाले समझते हैं कि यह बहुत तेज रफ्तार है। साफ नीयत हो तो नीतियां भी साफ बनती हैं और फैसले जल्दी होते हैं। इस प्लांट में पहली बार मेड इन इंडिया सेमीकंडक्टर मेमोरी मॉड्यूल्स का कमर्शियल प्रोडक्शन और शिपमेंट शुरू होगा। यह केंद्र सरकार के मेक इन इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन का पहला प्रोजेक्ट है। यह प्लांट 22,516 करोड़ रुपए की लागत से बना है।

आगामी सत्र में लायन दर्शन अग्रवाल होगे लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल के अध्यक्ष

कोरबा (दिव्य आकाश)।

लायनिज्म परंपरानुसार प्रत्येक वर्ष नई कार्यकारिणी का चयन किया जाता है, जिसका कार्यकाल 01 जुलाई से 30 जून तक रहता है। फरवरी माह में आयोजित लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल की सामान्य सभा में आगामी सत्र 2026-27 हेतु नई कार्यकारिणी के निर्धारण पर चर्चा की गई। जिस पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी सत्र हेतु क्लब अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष के लिए क्रमशः लायन दर्शन अग्रवाल, लायन सुरेन्द्र कुमार डनसेना एवं लायन शोमा सोनी को मनोनित किया जाये। साथ ही क्लब प्रथम उपाध्यक्ष हेतु लायन पार्वती दास, द्वितीय उपाध्यक्ष हेतु लायन सुभाष चंद अनंत, सह सचिव लायन अतुल साहू, टेल ट्विस्टर लायन ज्योति साहू, टेमर लायन मधुपाल, पी.आर.ओ. लायन मनोज गुप्ता, मेम्बरशीप चेयरपर्सन लायन प्रेमलता अग्रवाल, सर्विस चेयरपर्सन लायन आशीष अग्रवाल, एलसीआईएफ चेयरपर्सन एमजेएफ लायन पवन अग्रवाल रहेगे। साथ ही क्लब संचालक सदस्य के रूप में लायन नूतन राजवाड़े, लायन विकास अग्रवाल, लायन प्रीति अग्रवाल, लायन ओमप्रकाश अग्रवाल जी रहेगें। क्लब मार्गदर्शक के रूप में पूर्व प्रान्तपाल पीएमजेएफ लायन डॉ.राजकुमार अग्रवाल अपनी सेवायें क्लब को देगें।

इस पर क्लब मार्गदर्शक पीएमजेएफ लायन डॉ.राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि लायनवादी परंपरानुसार सभी सदस्यों की आपसी चर्चा पर क्लब के आगामी नेतृत्वकर्ता का चयन किया जाता है, ताकि आगामी सत्र हेतु नई टीम पूर्व ही अपनी सेवा

गतिविधियों की सूची बनाते हुये सेवा कार्यो की रूपरेखा का निर्धारण कर मानव सेवा में अपना योगदान दे सकें। इस पर क्लब अध्यक्ष लायन सुरेन्द्र डनसेना ने लायन दर्शन अग्रवाल एवं उनकी टीम को अग्रिम बधाई प्रस्तुत किया। लायन अग्रवाल ने भी नई टीम को पूरी ऊर्जा के साथ आगामी सत्र में सेवा कार्य के लिए बधाई दी।

सरोकार

साजिश की बू

शराब घोटाला केस में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने पूर्व मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को सीबीआई केस में शुक्रवार को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा- आरोप साबित नहीं हो पाया और केजरीवाल तथा सिसोदिया सहित 23 लोगों के खिलाफ आरोप तय करने से स्पेशल जज जितेंद्र सिंह ने इंकार कर दिया। जज ने कहा कि दोनों के खिलाफ कोई सबूत नहीं है और सीबीआई ने साजिश गढ़ने की कोशिश की है। कोर्ट का सिद्धांत ठोस सबूतों पर आधारित होता है। हालांकि जांच एजेंसी ने 6 घंटे बाद ही हाईकोर्ट का रूख किया है और निचली कोर्ट के आदेश को रद्द करने की मांग की है। बरी होने के बाद केजरीवाल भावुक हो गए और उनकी आंखों में आंसू तैर रहे थे। यह राजनीतिक साजिश थी और मैंने हमेशा जनता के लिए सोचा और जिंदगी में सिर्फ ईमानदारी कमाई है। कोर्ट के आदेश के बाद यह साबित ही हो गया और केजरीवाल तथा मनीष सिसोदिया एवं आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता ईमानदार हैं। मनीष सिसोदिया ने भी कहा कि हमें एक बार फिर गर्व हो रहा है, अपने संविधान पर और न्यायालय पर। केजरीवाल ने कहा कि पिछले कुछ सालों से जिस तरह से भाजपा शराब घोटाला... शराब घोटाला कर रही है और हमारे ऊपर आरोप लगा रही थी, कोर्ट ने सारे आरोप खारिज कर दिए, यह साबित हो रहा है कि सीबीआई ने साजिश रची और कोर्ट में कुछ भी सबूत पेश नहीं कर पाई। राजनीतिक द्वेष से हमें जेल में डाला गया और बीजेपी साजिश रचकर सत्ता में आती है।

-संपादक

रंगों से बदलते जीवन के रंग

होली का त्यौहार रंगों की उमंग और खुशियों का संदेश लेकर आता है। इस बार छत्तीसगढ़ की बिहान दीदियां प्राकृतिक रंगों से न केवल होली को सुरक्षित बना रही हैं, बल्कि अपने जीवन में खुशहाली के नए रंग भी भर रही हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़ी महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर स्व-सहायता समूहों के माध्यम से हर्बल गुलाल तैयार कर रही हैं। प्राकृतिक फूलों, सब्जियों से बने ये रंग पूरी तरह सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल हैं। सुगंध के लिए गुलाबजल और प्राकृतिक इत्र का उपयोग किया जाता है, जिससे रंगों की महक भी मन को भा जाती है।

कांकेर जिले में आत्मसमर्पित माओवादियों के समूह ने भी पुनर्वास नीति के तहत हर्बल गुलाल निर्माण का कार्य शुरू किया है। पुनर्वास शिविर में मानकी नेताम, सामको नुरूटी और डाली सलाम जैसे सदस्य पूरे उत्साह से गुलाल तैयार कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह कार्य उन्हें आत्मसम्मान और स्थायी आजीविका दोनों दे रहा है। शासन की पुनर्वास नीति से भटके युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में यह सराहनीय पहल है।

प्रदेश के रायपुर, कोरबा, कबीरधाम, गरियाबंद, जांजगीर-चांपा, नारायणपुर और कांकेर सहित अनेक जिलों में स्व-सहायता समूह हर्बल गुलाल का उत्पादन कर रहे हैं। कई समूह मंदिरों में अर्पित फूलों को एकत्र कर सुगंधित गुलाल बना रहे हैं। अबुझमाड़ जैसे आदिवासी क्षेत्रों में महिलाओं ने इसे अपनी पहचान बना ली है। बिहान योजना के तहत महिलाएं सरस मेला एवं क्षेत्रीय मेलों में स्टॉल लगाकर उत्पादों की बिक्री कर रही हैं। इससे उन्हें 40 से 60 हजार रुपये तक का सीधा लाभ मिल रहा है। कई महिलाएं 'लखपति दीदी' बनकर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल गढ़ रही हैं।

हर्बल गुलाल के अनेक लाभ हैं। यह त्वचा और आंखों के लिए सुरक्षित है, एलर्जी या जलन की आशंका नहीं होती। यह बायोडिग्रेडेबल है और पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाता। हल्दी में एंटी-बैक्टीरियल गुण और पलाश में रक्त-शोधक विशेषताएं होती हैं, जो इसे और भी उपयोगी बनाती हैं। बाजार में इसकी कीमत 80 से 250 रुपये प्रति किलो तक है, जिससे यह आमजन के लिए भी सुलभ है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार वर्ष 2026 को महिला गौरव वर्ष के रूप में मना रही है। राज्य सरकार के प्रयास से 5 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। महिलाओं को आर्थिक संबल देने के लिए चलाई जा रही महतारी वंदन योजना से लगभग 69 लाख से अधिक महिलाओं को हर माह एक-एक हजार रूपए की राशि भी दी जा रही है। चालू बजट में लखपति दीदीयों को एक्सपोजर विजिट के लिए नई योजना भी लाई गई है। महिलाओं के सशक्तिकरण का यह प्रयास विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को पूरा करने में सार्थक भूमिका निभाएगा।

जी.एस. केशरवानी, उपसंचालक

परिवार

रिश्तों को खोखला करती हैं गलत फहमियां

जया किशोरी
जीवन मूल्य वक्ता
प्रसिद्ध कथा वाचक

विश्व विख्यात कथा वाचक एवं जीवन मूल्य उपदेशक जया किशोरी अपने कथा स्थल में जहां भगवान की जीवंत कथाओं को अपने श्रीमुख से ऐसा बखान करती हैं, जिसे सुनकर हृदय गदगद हो उठता है और आत्मा संतुष्ट हो जाती है और मन भाव विभोर होकर नाचने लगता है।

उन्होंने ऐसी एक धर्मसभा में जीवन मूल्यों को उकेरा और एक दम्पत्ति को सुखी बनाने के लिए उपदेश दिया। उन्होंने ऐसी दम्पत्ति को चेतावनी भी दी और कहा कि जीवन में सुखी रहना है तो रिश्तों के बीच भरोसा मजबूत करें और गलत फहमियों को रिश्तों के बीच स्थान न दें।

पति-पत्नी के रिश्ते में बढ़ती गलतफहमियां कैसे प्यार और भरोसे को कमजोर कर देती हैं? Jaya Kishori की इस खास सीख में जानिए रिश्तों को मजबूत बनाने और दरारों को मिटाने का आसान मंत्र।

आज के जमाने में जेंडर इक्वालिटी की बहस अक्सर पुरुष बनाम महिला की लड़ाई में बदल जाती है। लेकिन प्रसिद्ध आध्यात्मिक वक्ता जया किशोरी ने अपने एक प्रवचन में इस सोच को चुनौती देते हुए कहा कि पुरुष और महिलाएं एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि पूरक हैं।

उनके अनुसार, समाज ने रिश्तों को पति-पत्नी जैसे सीमित लेबल में बांध दिया है, जबकि असल में हर रिश्ता दोस्ती, सही मार्गदर्शन, भावनात्मक सहारे और आध्यात्मिक जुड़ाव से मिला जुला होना चाहिए।

पुरुष और महिला एक-दूसरे को पूरा करने के लिए बने हैं, न कि एक-दूसरे से आगे निकलने के लिए।

रिश्ते केवल हसबैंड और वाइफ की भूमिका तक सीमित नहीं होने चाहिए, उनमें दोस्ती सबसे जरूरी है।

भावनाएं दोनों में समान रूप से होती हैं, लेकिन समाज पुरुषों को उन्हें दबाने की ट्रेनिंग देता है।

बराबरी की असली शुरुआत इंसान को इंसान मानने से होती है, जेंडर से नहीं।

शारीरिक अंतर प्राकृतिक हैं, लेकिन श्रेष्ठता या हीनता का कोई आधार नहीं।

जया किशोरी के अनुसार, जब रिश्ते कौन बेहतर की दौड़ में बदल जाते हैं, तो प्रेम और सम्मान पीछे छूट जाते हैं। प्रतिस्पर्धा एक दूसरे से तुलना करना अहंकार की भावना को बढ़ाती है, जबकि साझेदारी विकास को जन्म देती है।

प्रतिस्पर्धा रिश्तों में दूरी लाती है।

सहयोग रिश्तों को गहराई देता है।

एक-दूसरे की ताकत को स्वीकार करना ही संतुलन है।

अगर पुरुष और महिला एक-दूसरे को हराने की बजाय समझने की कोशिश करें, तो परिवार और समाज दोनों मजबूत बनते हैं। लगातार चल रही जेंडर फाइट असल मुद्दों से ध्यान भटका देती है।

समानता की असली परिभाषा प्रतिस्पर्धा में नहीं, बल्कि सहयोग में छिपी है। जब पुरुष और महिलाएं खुद को अधूरा नहीं, बल्कि मिलकर पूरा मानेंगे, तभी रिश्तों में संतुलन, सम्मान और सच्ची खुशी आएगी।

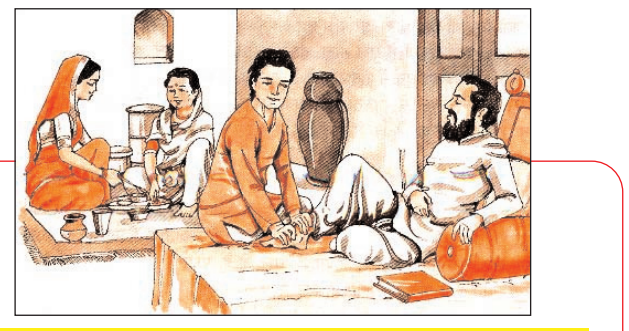

जीवन मूल्य क्या है!

आज मनुष्य की सफलता का पैमाना पूरी तरह से बदल गया है। आज लगता है कि ऊंचे ओहदे पर बैठा व्यक्ति सबसे सफल है। यह पैमाना तभी यथार्थ है, जब इस सफलता में मानवीय मूल्यों का समायोजन हो। सफलता हासिल करना अलग बात है, लेकिन सफल इंसान बनना ही जीवन का असली मूल्य है।

इंसानियत का पैमाना नापें, तो 20 वर्ष पूर्व के इंसान आज के इंसानों से कई गुना बेहतर थे। आज भौतिक युग के अंधे दौड़ में एकल परिवार का जो विस्तार हुआ है, उसमें जीवन मूल्य का ह्रास हुआ है। बुजूर्ग माता-पिता आज पहले से कहीं ज्यादा उपेक्षित और अकेला हो गए हैं। गांव में आज भी माता-पिता की सेवा की जो परंपरा है, 90 प्रतिशत निभाई जा रही है, लेकिन शहर में घर जिस हिसाब से छोटा हो गया है, लोगों का दिल भी छोटा हो गया है। बुजूर्ग माता-पिता के लिए जगह ही नहीं बची। लोगों का महल भी माता-पिता के लिए छोटा हो चला है। गांव की झोपड़ी में पहले कहीं जुगाड़ से पंखा लग गया, तो बहुत बड़ी बात, आज एसी, कूलर सहित सभी संसाधन जुट गए हैं, लेकिन माता-पिता के लिए एक कोना भी सुरक्षित नहीं। लाईट, पंखा न होते हुए भी गरमी के दिनों में बुजूर्ग माता-पिता को हाथ पंखा झेलते बच्चे, नाती-पोते दिख जाते थे और यह दृश्य मन को रोमांचित और प्रेरणा देते थे। बच्चे और नाती-पोते बुजूर्ग माता-पिता, दादा-दादी का पैर दबाते स्वर्ग का एहसास करते थे। यही जीवन मूल्य है, लेकिन आज छोटा परिवार-सुखी परिवार की कहावत ने हमें चिंतन करने का अवसर दिया है, क्या छोटा परिवार सुखी परिवार है और संयुक्त परिवार झमेला परिवार है।

जीवन अनंत है और यह हमेशा चलता रहेगा। बुजूर्ग समय आने पर चले जाएंगे और जीवन का नया अंकुरण खिलेगा। इस अंकुरित बीज को जब तक संस्कार का पानी, हवा नहीं मिलेगी, तब तक यह बीज बड़ा होकर सफल तो हो जाएगा, लेकिन बुजूर्गों को छांव देगा, इसकी गारंटी नहीं है। आज सफल व्यक्ति बनने से ज्यादा जरूरी है-सफल इंसान बनना। ऐसा इंसान जो बुजूर्गों की सेवा को साधना बना लें और माता-पिता की खुशी को लक्ष्य। ऐसा इंसान ही पूर्ण सफल कहलाएगा। आज हमें सफल व्यक्ति की परिभाषा को सनातन दृष्टि से पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता है, जहां पर बुजूर्ग माता-पिता को ससम्मान जीने का हक मिले और अंतिम क्षणों में परिवार के साथ सुख के पल..., यही जीवन का मूल्य है और एक सफल इंसान की कहानी भी।

मैं यह नहीं कहता कि सफल होने के लिए उच्च शिक्षा ग्रहण न करें, लेकिन उच्च शिक्षा में भी संस्कार जरूरी है। हमारी भारतीय परंपरा, इसलिए विश्व की सबसे अच्छी परंपरा है, क्योंकि परिवार में बुजूर्ग माता-पिता का स्थान सर्वोच्च होता है और इस परंपरा का निर्वहन करना आज की आवश्यकता ही नहीं बल्कि हमारा धर्म भी है। आज भारत पूरे विश्व में इसलिए सर्वश्रेष्ठ है, क्योंकि यहां पत्थर को भी भगवान मानते हैं। माता-पिता तो जीते जागते भगवान हैं और इनकी सेवा सबसे बड़ी पूजा है। भारतीय धर्म में हमने भले ही भगवान को देखा नहीं, लेकिन भगवान होते हैं, इसलिए हमारी आस्था होती है। माता-पिता भी भगवान से कम नहीं, बल्कि भगवान से भी ऊंचा हैं। इनकी सेवा में भगवान का वास है, घर मंदिर है- तीर्थ है और वह घर स्वर्ग है, जहां पर माता-पिता के लिए पूरा आसमां है। इति....

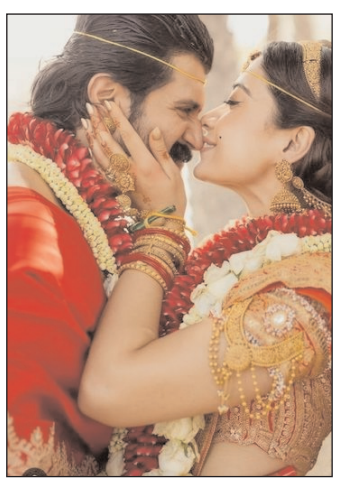

एक-दूसरे के हुए रश्मिका-विजय देवरकोंडा

26 फरवरी को शादी के बंधन में बंधने के बाद रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा लगातार सुर्खियों में हुए हैं। फैंस न्यूलीवेड कपल की हर एक्टिविटी पर नजर बनाए हुए हैं। वहीं, उदयपुर में शादी के बाद अब ये कपल अपने होमटाउन हैदराबाद के लिए रवाना हो गए हैं। ऐसे में न्यूलीवेड कपल को पहली बार एयरपोर्ट पर एक साथ स्पॉट किया गया, जहां से उनका वीडियो सोशल मीडिया पर जबरदस्त वायरल हो रहा है।

साउथ स्टार्स रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा एक दूजे संग शादी के बंधन में बंध गए हैं, जिसकी तस्वीरें इंटरनेट पर जमकर वायरल हो रही हैं। इसी बीच कपल की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संग भी तस्वीरें सामने आई है। कहा जा रहा है कि रश्मिका और विजय ने शादी से पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने गए थे और अपने शादी समारोह में आने का निमंत्रण दिया था।

होली पर साड़ी में दिखें सबसे खास और स्टाइलिश

अगर आप होली फंक्शन में कुछ खास और अलग पहनना चाहती हैं तो साड़ी एक अच्छा ऑप्शन है।

होली में आप भी बेहतरीन लुक पाना चाहती हैं तो आप साड़ी पहन सकती हैं। होली के मौके पर आप हल्के और कम्फर्टेबल फैब्रिक की साड़ी चुन सकती हैं। सफेद, पेस्टल या हल्के रंगों की साड़ी पर गुलाल के रंग और भी निखरकर आते हैं, जिससे आपका लुक और भी आकर्षक बन जाता है।

व्हाइट कॉटन साड़ी होली के लिए एक क्लासिक चॉइस है। कॉटन फैब्रिक की हल्कापन आपको पूरे दिन कंफर्टेबल रखता है। आप इसे सिल्वर ज्वेलरी, ऑक्सीडाइज्ड झुमके या रंग-बिरंगी चूड़ियों के साथ स्टाइल कर सकती हैं। आप इसमें सिंपल प्रिंट वाली साड़ी को पहन सकती हैं।

मल्टीकलर साड़ी भी होली के लिए अच्छा ऑप्शन है। अलग-अलग शेड्स का खूबसूरत मेल आपके लुक को खास बना देता है। होली के मौके पर ये साड़ी न सिर्फ त्योहार के माहौल से मेल खाती है, बल्कि फोटो में भी बेहद शानदार नजर आती है. इसे आप सिंपल ब्लाउज के साथ पहन सकती हैं। हल्की ज्वेलरी, सॉफ्ट मेकअप और आरामदायक फुटवियर के साथ यह लुक और भी निखर जाता है।

बजट में कोरबा को सरकारी नर्सिंग कालेज की सौगात:पिछले बजट में भी था शामिल

कोरबा (दिव्य आकाश)।

ओ पी चौधरी का ज्ञान से गति बजट में कोरबा में सरकारी नर्सिंग कालेज को शामिल किया गया था, लेकिन एक साल में इसका क्रियान्वयन नहीं हो पाया और 24 फरवरी को प्रस्तुत संकल्प बजट में भी इसे शामिल किया गया है। इस बार क्रियान्वयन की उम्मीद जगी है। कोरबा के लिए यह बड़ी सौगात है, लेकिन कोरबा को मिली सौगात, जमीनी स्तर पर दिखे, तो कोई बात बने। बजट में वाहवाही दिखाने के लिए जिलों को सौगातें दी जाती हैं, लेकिन एक साल बीत जाने के बाद भी कई सौगातें वित्तमंत्री के लेपटॉप से निकलती ही नहीं और जिलों को कोई लाभ नहीं मिल पाता। पिछले बजट में कोरबा को सरकारी नर्सिंग कालेज की सौगात **ज्ञान से गति** बजट में मिली थी, लेकिन उक्त सौगात चौधरी साहब के लेपटॉप तक ही सीमित रही और कोरबा को कोई लाभ नहीं मिला।

अभी कहने को कोरबा में कई निजी नर्सिंग कालेज है, लेकिन ऊंची फीस के कारण बच्चे पढ़ नहीं पाते। इस बार सरकारी नर्सिंग कालेज की सौगात फिर मिली है और यदि यह हकीकत में बदलेगी तो युवाओं को लाभ मिलेगा। नर्सिंग सेक्टर में भी बेहतर कैरियर है और कोरबा में इसकी स्थापना होती है तो सैकड़ों बच्चों को कम फीस में नर्सिंग की शिक्षा मिल सकेगी और कई युवाओं को रोजगार मिलेगा।

बजट में कोरबा को मिली अन्य सौगातें: सड़कों और पुलों को मंजूरी, 22 स्कूल भवन स्वीकृत

मंत्री और कोरबा विधायक लखन लाल देवांगन ने बताया कि राज्य बजट में कोरबा नगर निगम क्षेत्र सहित जिले के लिए कई सड़क, पुल-पुलिया और शासकीय स्कूल भवन निर्माण कार्यों को मंजूरी मिली है, जिससे आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी।

देवांगन ने राज्य बजट में कोरबा नगर निगम क्षेत्र सहित पूरे जिले के लिए मिली स्वीकृतियों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सशक्त प्रयासों से महत्वपूर्ण सड़क निर्माण, पुल-पुलिया निर्माण और शासकीय स्कूल भवनों के लिए बजट में मंजूरी मिली है।

जारी बजट के अनुसार कोरबा नगर निगम क्षेत्र में बालको रोड से ढोढ़ीपारा नहर मार्ग होते हुए पंप हाउस तक 12 किलोमीटर लंबे टू लेन मार्ग के लिए 9.60 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। सोनालिया पुल निर्माण के लिए 7.20 करोड़ रुपये की मंजूरी मिली है। बालको नगर क्षेत्र में बंद हो चुकी गर्म नहर मार्ग का भराव करते हुए अमर होटल से आगे 4 किलोमीटर लंबी सीसी सड़क निर्माण के लिए 6.40 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं।

दादर से नकटीखार तक 5 किलोमीटर पहुंच मार्ग निर्माण के लिए 5.60 करोड़ रुपये, रूमगरा चौक से सोनपुरी मार्ग 6 किलोमीटर के लिए 5.60 करोड़ रुपये तथा रूमगड़ा से जाम बाहर तक 4 किलोमीटर सीसी मार्ग निर्माण के लिए 4.80 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। रानी रोड से नदी की ओर दुरपा रोड को जोड़ते हुए सर्वमंगला ब्रिज के नीचे तक 3 किलोमीटर सीसी सड़क निर्माण के लिए 4.80 करोड़ रुपये तथा डिंगापुर से सिंचाई कॉलोनी मुक्तिधाम रामपुर तक 3 किलोमीटर सीसी मार्ग निर्माण के लिए 4 करोड़ रुपये की मंजूरी मिली है।

देवी अहिल्याबाई होल्कर कन्वेंशन सेंटर कोरबा के वातानुकूलन कार्य के लिए 2.50 करोड़ रुपये तथा कटघोरा में हाईटेक बस स्टैंड निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों के माध्यम से अन्य कार्यों को भी बजट में स्वीकृति मिली है।

कोरबा शहर में कई ओवर ब्रिज के सर्वेक्षण कार्य को भी मंजूरी दी गई है। सीएसईबी चौक के पास वाई सेफ रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण, बरबसपुर यार्ड के पास रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण तथा कोरबा-चाम्पा-गेवरा रेल लाइन में दो स्थानों पर ओवर ब्रिज निर्माण के सर्वेक्षण हेतु 16 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

लखन लाल देवांगन ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव और वित्त मंत्री ओपी चौधरी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कोरबा नगर को लगातार बड़े निर्माण कार्यों के लिए स्वीकृति मिल रही है।

स्कूल शिक्षा विभाग के तहत प्रदेश में ढाई सौ प्राथमिक शाला भवन निर्माण की स्वीकृति दी गई है, जिसमें कोरबा जिले के 22 प्राथमिक शाला भवन शामिल हैं। इनमें प्राथमिक शाला देवद्वारी, मोतीसागर पारा, बेलाकछार, शासकीय कन्या कोरबा, लालघाट, सेंट्रल वर्कशॉप, गोकुल नगर, दादर खुर्द, नया रिसदी, डूमरडीह, झगहरा, करतला के गनियारी, बुढ़ियापाली, भाटापारा, बंजारी, पाली के चारपारा, सेमरकछार, दहीबोरापारा, शांतिनगर, पोड़ी-उपरोड़ा के खोडरी, कुम्हारीसानी, चुचुईय्यापारा और बनवार शामिल हैं।

बजट संकल्प:सत्ता पक्ष ने माईल स्टोन बताया तो विपक्ष ने बेरोजगारी, महंगाई जैसे मुद्दों की उपेक्षा का लगाया आरोप

आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव : मंत्री लखन

वाणिज्य उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रस्तुत राज्य के वर्ष 2026-27 के बजट संकल्प 2026-27 को छत्तीसगढ़ को विकसित एवं आत्मनिर्भर राज्य बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक, संतुलित एवं दूरदर्शी बजट बताया है। उन्होंने इस जनोन्मुखी एवं विकासपरक बजट के लिए वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

श्री देवांगन ने कहा कि 1 लाख 72 हजार करोड़ रुपये के अनुमानित प्रावधान वाला यह बजट राज्य की आर्थिक संरचना को सुदृढ़ करते हुए निवेश, औद्योगिक विस्तार और व्यापक रोजगार सृजन की स्पष्ट कार्ययोजना प्रस्तुत करता है। प्रदेश की लगभग 60 प्रतिशत कार्यशील जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए उद्योग एवं सेवा क्षेत्र के विस्तार पर विशेष बल दिया गया है, जिससे प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के व्यापक अवसर सृजित होंगे।

उन्होंने कहा कि राज्य की औद्योगिक विकास नीति 2024-30 रोजगार केंद्रित है। विगत वर्ष लगभग 1,000 उद्योगों को उत्पादन प्रमाण पत्र जारी किए गए, जिनके माध्यम से 8 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ तथा 15 हजार से अधिक रोजगार के अवसर निर्मित हुए। यह राज्य में निवेश अनुकूल वातावरण एवं औद्योगिक विश्वास का सशक्त संकेत है।

उद्योग मंत्री ने बताया कि प्रदेश में 23 नए औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना हेतु 250 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिनमें मटीया (कसडोल), बिरकोनी (महासमुंद), छाती (धमतरी), बनगांव-बी (पत्थलगांव) सहित अन्य क्षेत्र शामिल हैं। नवीन औद्योगिक क्षेत्रों के लिए लैंड बैंक तैयार करने हेतु 200 करोड़ रुपये तथा उद्योगों को अनुदान एवं प्रतिपूर्ति के लिए 750 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो पूर्व की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि धमतरी जिले के कचना में 17 एकड़ क्षेत्र में प्रदेश की पहली चार मंजिला प्लग-एंड-प्ले फैक्ट्री विकसित की जा रही है, जो सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। ग्राम तूता, नवा रायपुर अटल नगर में कन्वेंशन सह एक्जिबिशन सेंटर के निर्माण हेतु 25 करोड़ रुपये, भिलाई में व्यावसायिक

परिसर हेतु 10 करोड़ रुपये, पटेवा (राजनांदगांव) में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर 2.0 हेतु 10 करोड़ रुपये तथा नवा रायपुर अटल नगर एवं राजनांदगांव में इंडस्ट्रियल फैसिलिटेशन कॉम्प्लेक्स हेतु 20 करोड़ रुपये का प्रावधान प्रदेश के औद्योगिक अधोसंरचना विकास को नई गति देगा।

श्री देवांगन ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा रायपुर, दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद तथा जापान के ओसाका में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जो छत्तीसगढ़ की औद्योगिक संभावनाओं और वैश्विक विश्वास को दर्शाता है।

उन्होंने आगे कहा कि Ease of Doing Business के अंतर्गत सिंगल विंडो सिस्टम एवं छत्तीसगढ़ जन विश्वास अधिनियम जैसे सुधारात्मक कदमों के माध्यम से शासन उद्योगों के लिए सुगम, पारदर्शी और प्रोत्साहनकारी वातावरण उपलब्ध करा रहा है। वर्ष 2024-25 में उद्योग विभाग का बजट 648 करोड़ रुपये था, जो वर्ष 2026-27 में बढ़कर 1,750 करोड़ रुपये हो गया है। यह वृद्धि राज्य सरकार की उद्योग, निवेश और रोजगार सृजन के प्रति स्पष्ट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

लखनलाल देवांगन ने कहा कि 'संकल्प 2026-27' केवल बजट नहीं, बल्कि समावेशी विकास, औद्योगिक प्रगति और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण का ठोस संकल्प है, जो प्रदेश की विकास यात्रा को नई दिशा और नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

जुमले का बजट : पूर्व मंत्री जयसिंह

पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयसिंह अग्रवाल ने राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट आम जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में पूरी तरह असफल रहा है।

उन्होंने कहा कि बजट में किसानों, युवाओं, कर्मचारियों और मध्यम वर्ग के लिए कोई ठोस प्रावधान नजर नहीं आता। सरकार ने बड़े-बड़े दावे तो किए हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर राहत देने वाले ठोस कदमों का अभाव है।

अग्रवाल ने आरोप लगाया कि प्रदेश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक चुनौतियों के बीच सरकार को जनहितकारी योजनाओं पर विशेष ध्यान देना चाहिए था, लेकिन बजट में प्राथमिकताएं स्पष्ट नहीं दिखतीं। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने, युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने और शहरी व ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए ठोस वित्तीय प्रावधान आवश्यक थे, जो बजट में दिखाई नहीं देते।

पूर्व मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि जिन वायदों के चलते सरकार में आए हैं, उन वायदों को पूर्ण करने कोई जिक्र नहीं है । कुल मिलाकर यह बजट जूमले का बजट हो गया है ।

जनकल्याण और विकास को समर्पित-छत्तीसगढ़ का प्रगतिशील बजट निगम को और सशक्त बनाएगा-महापौर संजूदेवी

24 फरवरी को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट प्रदेश के सर्वांगीण विकास, अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण एवं जनकल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वित्तमंत्री द्वारा पेश यह बजट शहरी विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, युवाओं के रोजगार, महिला सशक्तिकरण एवं बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर केंद्रित है।

महापौर के रूप में मैं इस जनहितकारी एवं दूरदर्शी बजट का स्वागत करती हूं। यह बजट नगर निगमों को और अधिक सशक्त बनाते हुए स्वच्छता, पेयजल, सड़क, प्रकाश व्यवस्था एवं आधारभूत संरचना के विकास को नई गति देगा। विश्वास है कि इस बजट से छत्तीसगढ़ के साथ-साथ हमारे नगर का भी समग्र विकास सुनिश्चित होगा और आम नागरिकों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। मैं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, वित्तमंत्री ओपी चौधरी, केबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन का हृदय से आभार और धन्यवाद व्यक्त करती हूं।

संकल्प बजट:विकास, उद्योग और जनकल्याण की दिशा में बड़ा कदम - अमर सुल्तानिया

जांजगीर-चांपा (दिव्य आकाश)।

संकल्प बजट को विकासोन्मुख और जनहितकारी बताते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं जशपुर जिला संगठन प्रभारी अमर सुल्तानिया ने कहा कि यह बजट प्रदेश के भविष्य को मजबूत आधार देने वाला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वित्त मंत्री ओपी चौधरी की दूरदृष्टि से राज्य सरकार ने गांव, गरीब, किसान, युवा और महिलाओं को केंद्र में रखकर योजनाएं तैयार की हैं। करीब 5,700 करोड़ से बढ़कर 1.72 लाख करोड़ तक पहुँचा बजट लगभग 30 गुना वृद्धि के साथ राज्य की आर्थिक प्रगति को दर्शाता है।

अमर सुल्तानिया ने कहा कि वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत बजट में विकास और संवेदनशीलता दोनों का संतुलन दिखाई देता है। प्रदेश में 23 नए उद्योगों के साथ उद्योग पार्क विकसित करने की घोषणा से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, जिससे युवाओं को अपने ही राज्य में बेहतर भविष्य मिल सकेगा।

उन्होंने सिरपुर में रिवर फ्रंट और मेडिटेशन सेंटर बनाने की योजना को सांस्कृतिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया। उनके अनुसार इससे छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक पहचान को नई मजबूती मिलेगी और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

अमर सुल्तानिया ने बजट में बेटियों के लिए डेढ़ लाख रुपये तक की सहायता और किसानों को ब्याज मुक्त ऋण जैसी घोषणाओं को सरकार की संवेदनशील सोच का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय ग्रामीण परिवारों और किसानों के लिए बड़ी राहत साबित होगा। उन्होंने आगे कहा कि यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने का रोडमैप है। सड़क, उद्योग, शिक्षा, कृषि और सामाजिक योजनाओं को एक साथ आगे बढ़ाने की सोच स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

अंत में सुल्तानिया ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और वित्त मंत्री ओपी चौधरी के नेतृत्व में यह बजट प्रदेश के विकास को नई गति देगा और आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा।

'संकल्प' बजट:विकसित प्रदेश की मजबूत आधारशिला - गोपाल मोदी

भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने बजट की सराहना करते हुए कहा कि यह बजट आमजन, किसान, युवा, महिला एवं व्यापारी वर्ग की अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरा उतरने वाला है। उन्होंने इसे 'विकसित छत्तीसगढ़' की संकल्पना को साकार करने वाला दूरदर्शी एवं ऐतिहासिक बजट बताया। यह बजट राज्य की आर्थिक मजबूती, अधोसंरचना विस्तार और सामाजिक कल्याण योजनाओं को गति देने वाला है। पूंजीगत व्यय में वृद्धि कर विकास कार्यों को नई रफ्तार देने का लक्ष्य रखा गया है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने बजट 2026-27 में रानी दुर्गावती योजना की घोषणा की है, जिसके तहत राज्य की बेटियों को जब वे 18 वर्ष की उम्र पूरी कर लेंगी तब उन्हें रू.1,50,000 (डेढ़ लाख रुपये) की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसी प्रकार महिला सशक्तिकरण हेतु नई कल्याणकारी योजनाओं का प्रावधान किया गया हैं। स्व-सहायता समूहों को आर्थिक सहायता और स्वरोजगार के अवसरों का विस्तार। पोषण,

स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं के लिए अतिरिक्त बजट। बेटियों की शिक्षा को प्रोत्साहन देने हेतु छात्रवृत्ति एवं प्रोत्साहन राशि में वृद्धि। बस्तर अंचल के विकास हेतु 100 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान, स्वास्थ्य के क्षेत्र में 4500 करोड़ रुपये से अधिक का नि:शुल्क उपचार, 1600 नई नियुक्तियाँ, 250 नई MBBS सीटें।

अन्नदाताओं को बेहतर समर्थन मूल्य एवं समय पर भुगतान। सिंचाई सुविधाओं के विस्तार हेतु बजट वृद्धि। कृषि यंत्रों पर अनुदान और आधुनिक खेती को बढ़ावा।

फसल बीमा एवं प्राकृतिक आपदा राहत को मजबूत करना। इसी प्रकार मुख्यमंत्री सड़क योजना में 200 करोड़ रुपये का बजट रखा गया हैं, जिससे ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से जोड़ने की योजना। 36 नई सड़कों का निर्माण। जिससे आवागमन सुविधा बेहतर होने से व्यापार एवं रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

यह संतुलित एवं जनहितैषी बजट प्रदेश की आर्थिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ करेगा। इसमें ग्रामीण विकास, सड़क निर्माण, सिंचाई योजनाओं एवं युवाओं के कौशल विकास पर विशेष बल दिया गया हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रदेश की जनता के विश्वास को मजबूत करेगा तथा छत्तीसगढ़ को आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

संकल्प बजट विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत आधारशिला - बद्री अग्रवाल

वर्ष 2026-27 के 'संकल्प' बजट का स्वागत करते हुए भाजपा युवा नेता बद्री अग्रवाल ने इसे विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में विज़न डॉक्यूमेंट बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट सर्वसमावेशी, संतुलित और दूरदर्शी विकास की आधारशिला रखता है।

बद्री अग्रवाल ने कहा कि वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत बजट प्रदेश को नई ऊर्जा और गति देगा। उन्होंने बजट में घोषित पांच, मुख्यमंत्री मिशन—एआई मिशन, खेल उत्कर्ष मिशन, पर्यटन विकास मिशन, अधोसंरचना मिशन और स्टार्टअप-निपुण मिशन—को युवाओं के लिए रोजगार, कौशल विकास और निवेश के नए अवसर सृजित करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि बजट में किसानों और महिला सशक्तिकरण को भी प्राथमिकता दी गई है। बजट में सभी वर्ग का ध्यान रखा गया है।

आध्यात्म वापसी है अहंकार उन्माद

नदी जब तक सागर से अलग है,
बेचैन है।
सागर में मिलकर
वह मिटती नहीं
विस्तार बन जाती है।

मनुष्य बाहर नहीं,
भीतर की दूरी से दुखी है।
वह दौड़ता बहुत है,
पर अपने ही केन्द्र से दूर।

जो स्वयं में स्थित हो गया,
वही स्वस्थ है।
बाकी सब
किसी अनाम शांति की तलाश में
भटक रहे हैं।

जिस दिन वह
अस्तित्व की विराटता के सामने
झुकना सीख लेता है,
उसी दिन
उसकी पीड़ा पिघलने लगती है।

आध्यात्म वापसी है और
अहंकार गहरा उन्माद...।

कितनी हसीन होती है मौत

जिंदगी थी, दो मिनट मेरे पास
ना बैठा कोई,
आज सब मेरे पास बैठे जा रहे।
कोई तोहफा न मिला आज तक
आज फूल ही फूल दिए जा रहे।
तरस गए थे हम
किसी एक हाथ के लिए
आज कंधे पे कंधे दिए जा रहे।
दो कदम साथ चलने
कोई तैयार न था
आज काफिला बन
साथ चले जा रहे।
आज पता चला
मौत कितनी हसीन है
कम्बख्त हम तो यूं ही
जिंदगी जिए जा रहे थे।।

खुद से ईमानदारी

दुनिया से झूठ बोलना
आसान है,
खुद से नहीं।
हम अक्सर अपनी कमजोरियों को
तर्कों के पीछे छिपा देते हैं।
पर सच्चा परिवर्तन
तभी शुरू होता है,
जब हम खुद को
साफ देख पाते हैं।
खुद से ईमानदार होना
आत्म आलोचना नहीं
आत्म जागरूकता है।
जब आप बहाने
छोड़ देते हैं,
तभी शक्ति जागती है।
सच स्वीकार करना
कठीन हो सकता है,
पर वही मुक्ति की शुरूआत है।
जिस दिन आपने
खुद से झूठ बोलना बंद किया,
उसी दिन
जीवन बदलना शुरू हो गया।।

मधुशाला

मृदु भावों के अंगूरों की आज बना
लाया हाला,
प्रियतम, अपने ही हाथों से आज
पिलाऊंगा प्याला।
पहले भोग लगा लूँ तेरा फिर
प्रसाद जग पाएगा,
सबसे पहले तेरा स्वागत करती
मेरी मधुशाला।

पथिक बना मैं घूम रहा हूँ, सभी
जगह मिलती हाला,
सभी जगह मिल जाता साकी,
सभी जगह मिलता प्याला।
मुझे ठहरने का, हे मित्रों, कष्ट नहीं
कुछ भी होता,
मिले न मंदिर, मिले न मस्जिद,
मिल जाती है मधुशाला।

मुसलमान औ' हिन्दू है दो, एक,
मगर, उनका प्याला
एक, मगर, उनका मदिरालय, एक,
मगर, उनकी हाला
दोनों रहते एक न जब तक
मस्जिद मन्दिर में जाते
बैर बढ़ाते मस्जिद मन्दिर,
मेल कराती मधुशाला।

यम आएगा लेने जब, तब खूब
चलूंगा पी हाला
पीड़ा, संकट, कष्ट नरक के क्या
समझेगा मतवाला
क्रूर, कठोर, कुटिल, कुविचारी,
अन्यायी यमराजों के
डंडों की जब मार पड़ेगी,
आड़ करेगी मधुशाला।

हरिवंश राय बच्चन

स्मृति शेष

पुण्य धरा की पुण्य आत्मा : स्व. रामगोपाल पाण्डेय जी

प्रथम पुण्यतिथि पर विशेष : सादगी जीवन और समाज को बदलने का जज्बा लिए राष्ट्र के लिए जिते रहे रामगोपाल पाण्डेय जी

जन्म - 15 सितंबर 1934
निधन - 01 मार्च 2025

कोरबा (दिव्य आकाश)।

एक वर्ष पूर्व 01 मार्च 2025 को कोरबा को एक ऐसा आघात लगा, जिसके नुकसान की पूर्ति कभी हो ही नहीं सकती। माटी से जुड़कर माँ भारती के लिए समर्पित एक व्यक्तित्व और सेवा भारती तथा जन संघ को कोरबा में विराट स्वरूप देने वाले पंडित रामगोपाल पाण्डेय चीरकाल के लिए निद्रा में सो गए और इह शरीर छोड़कर देवलोक गमन कर गए और माटी के चोले को माटी में मिलाकर यह पुण्य आत्मा देव लोक के लिए अनंत यात्रा पर चले गए।

अपितु स्व. श्री रामगोपाल पाण्डेय आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका जीवन दिव्य प्रेरणा बनकर लोगों के जीवन को सरल और सुलभ बनाने के लिए एक किताब की तरह मार्ग दर्शक बना रहेगा। स्व. श्री रामगोपाल पाण्डेय वे व्यक्तित्व थे जो सादा जीवन जिने के साथ उच्च विचार रखते हुए अपना पूरा जीवन माँ भारती को समर्पित करते हुए समाज में बदलाव लाने की कोशिश करते रहे। खासकर वनांचल क्षेत्रों में वनवासियों के जीवन को मुख्य धारा में लाने के लिए वे आजीवन संघर्षरत रहे और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का प्रचारक बनकर घूर जंगली क्षेत्रों में कई-कई दिनों तक रहकर आदिवासियों के जीवन में शिक्षा की लौ जलाने के साथ उनके जीवन को मुख्य धारा में लाने का प्रयास करते रहे।

सनातन हिन्दुत्व विचारधारा को बढ़ाने के लिए उन्होंने शिक्षा, संस्कृति, परंपरा और जीवन मूल्यों को आदिवासियों के बीच फैलाने का काम करते रहे। उनका शिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान को कोई नहीं भुला सकता। सेवा भारती के बैनर तले वे शिक्षा और संस्कार के संगम को छोटे बच्चों से लेकर हॉयर सेकेण्डरी स्कूल के बच्चों के बीच बोया और सरस्वती शिक्षण समिति के सालों तक व्यवस्थापक और अध्यक्ष का दायित्व निभाते हुए काफी लोकप्रिय हुए। सरस्वती शिक्षण संस्थानों के आचार्यों और दीदियों को कहा करते थे- शिक्षा का दान के बराबर कोई दान नहीं, इसलिए सादगी और समर्पण के साथ इस अभियान को आगे बढ़ायें और सादा जीवन भले ही जियें, लेकिन यह जीवन का सर्वोत्तम काम है। इसके बदले में आपके जीवन में अर्थ की कमाई भले ही कम हो, लेकिन आपका जीवन सार्थक अवश्य हो जाएगा। सरस्वती शिक्षण संस्थान विद्या के वे मंदिर हैं, जहां शिक्षा, संस्कार और राष्ट्र भक्ति की पाठशाला लगती है और यहां से पढ़कर निकलने वाले बच्चे जीवन में एक ऐसी सफलता प्राप्त करते हैं, जिन्हें समाज में इंसान कहा जाता है। स्व. श्री रामगोपाल पाण्डेय का जीवन एक खुली किताब की तरह थी, जिनके जीवन के पन्नों में कभी अहंकार शब्द नहीं दिखा और हर पन्ने में जीवन मूल्यों को उकेरा गया था।

जीवन मूल्यों को प्राथमिकता में रखकर जिने की सीख दे गए स्व. रामगोपाल पाण्डेय जी

लगभग 91 साल की लंबी आयु तक सादगी जीवन जिने वाले स्व. श्री रामगोपाल पाण्डेय का पूरा जीवन... जीवन मूल्यों पर आधारित रहा और वे हमेशा इस बात का चिंतन किया करते थे कि वे शिक्षा से किस तरह अधिक से अधिक लोगों के जीवन में खुशहाली ला सकें, खासकर आदिवासी क्षेत्रों में व्याप्त कुरितियों को किस तरह समाप्त करें, ताकि आदिवासियों का जीवन भी सहज और सरल हो सके। उन्होंने इस बात की चिंता की, कि शिक्षा की रोशनी से ही आदिवासियों के बीच नशा के खिलाफ जागरूकता फैलाई जा सकती है और कुरितियां समाप्त हो सकती हैं। समाज में हिन्दूत्व की परिभाषा को तोड़-मरोड़ कर विघटनकारी तत्वों को किसी तरह हराया जाए और हिन्दुत्व की सही परिभाषा बताने वे आर.एस.एस. के माध्यम से लोगों के बीच पैठ बनाई और धर्मांतरण को रोकने का प्रयास करते रहे। वे समझाते रहे कि जो धर्म को बचा नहीं सकता, उसका जीवन निरर्थक है। वे शिक्षा के माध्यम से आदिवासियों के धर्मांतरण को भी रोकने का प्रयास में लगे रहे। वे मानवीय संवेदनाओं की प्रतिमूर्ति थे।

हरदा (म.प्र.) की खिड़किया तहसील के दूरस्थ ग्राम पॅडवा- तारापुर में 15 सितंबर 1934 को जन्मे स्व. श्री रामगोपाल जी पाण्डेय के पिता स्व. भिखाजी पांडेय एक साधारण कृषक थे। स्व. श्री रामगोपाल पाण्डेय ने छिपावड़ जैसी छोटी सी जगह के सरकारी स्कूल में प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त कर 1955 में हाईस्कूल (मेट्रिक) की परीक्षा हाईस्कूल हरदा से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। बचपन से ही मेधावी रहे स्व. श्री रामगोपाल जी ने संसाधनों के अभावों में भी मेट्रिक की परीक्षा गणित, विज्ञान एवं संस्कृत विषयों में विशेष योग्यता प्राप्त कर पास की, जिसके सुखद परिणामस्वरूप आपकी नियुक्ति डाकतार विभाग के धमतरी (छतीसगढ़) आफिस में सन् 1956 में हुई। 1958 में रायपुर में पदस्थ रहते हुए आपका विवाह 1958 में ही सौ.का. रूक्मिणी पाण्डेय से हुआ जो पांजरा निवासी, वरिष्ठ साहित्यकार एवं समाज संगठन के सक्रिय हस्ताक्षर स्व. श्री अमृतलाल मालवीय (ए.डी.आई.एस.) की छोटी बहिन हैं।

सन 1956 से सन 1963 तक डाकतार विभाग में कर्मठ कर्मचारी के रूप में कार्य करते हुए स्व. श्री रामगोपाल पाण्डेय जी ने कुछ नया कर गुजरने की सोच को लेकर शासकीय सेवाओं से त्यागपत्र देकर स्वयं का व्यवसाय शुरू किया तथा आर.एस.एस. से जुड़कर एक सक्रिय स्वयंसेवक के रूप में अपने शेष जीवन को समर्पित किया। इस दौरान आप कई राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक स्तर के राजनेताओं के सम्पर्क में आये, जिनमें से श्री कैलाश जोशी (पूर्व मुख्य मंत्री म.प्र.), श्री प्यारेलाल खंडेलवाल, श्री मुरली मनोहर जोशी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुशाभाऊ ठाकरे प्रमुख हैं। हिन्दुस्तान समाचार सहित कोरबा के कई ख्यातिलब्ध अखबारों के लिए कार्य करते हुए, संपादक का भी दायित्व निभाया और आपने एक निष्पक्ष एवं निर्विवाद संवाददाता के रूप में अपनी छवि बनाई।

कर्मठ जीवन, लोगों के लिए संघर्ष करना, माँ भारती के लिए जेल की हवा खाना और कष्ट सहना, अति पिछड़े हुए एवं जनजाति समुदाय के लिए कार्य करना, हिन्दुत्व की परिभाषा समझाकर समाज में सद्भाव व एकता का पाठ पढ़ाना जैसे सुकृत्य से स्व. श्री रामगोपाल पाण्डेय का जीवन आबाद रहा और वे जी भरकर जिये और जी भर कर माँ भारती की सेवा की। वे कहा करते थे - पुरूषार्थ से धन कमाओ और उसका कुछ अंश समाज को समर्पित करो। यही सीख वे अपने परिवार के साथ समाज को दी और उनका सपना था समृद्ध भारत... समृद्ध कोरबा... समृद्ध वनवासी।

कर्म प्रधान विश्व करी राखा

पंडित रामगोपाल पाण्डेय सिर्फ कर्म करने पर विश्वास करते थे। उन्होंने सरकारी नौकरी छोड़ माँ भारती की सेवा का मन बनाया और हिन्दुवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने आर.एस.एस. ज्वाइन किया और वे सक्रिय सदस्य बन गए। सक्रिय सदस्य होने के कारण आपने सन 1971 में बांगलादेश आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई, जिसके परिणामस्वरूप आपको जेल जाना पड़ा। सन 1975 के आपातकाल के दौरान भूमिगत रहते हुए भी आपके अंदर छुपा हिन्दुवादी प्रेम आपको जनसंघ, विश्व हिन्दू परिषद, कल्याण आश्रम, कुष्ठ निवारण संघ जैसे सामाजिक व राजनैतिक संगठनों के बैनर तले सामाजिक उत्थान के प्रति सक्रियता कायम रखने में रोक नहीं सका। आपके इस राष्ट्रवादी प्रेम को देख आपातकाल के दौरान जनता पार्टी से विधायक के रूप चुनाव लड़ने हेतू आपके पास प्रस्ताव आया, जिसे आपने यह कहकर ठुकरा दिया कि मैं एक समर्पित कार्यकर्ता हूँ और अपने वर्तमान कार्य से संतुष्ट हूँ। आपकी इस निस्वार्थ सेवा भावना को देख सन 1978 में बाबाराव पौराणिक ने आपको तहसील कार्यवाहक बनाया। सन 1984 से 1994 तक आपने आर.एस.एस. के तहसील संघचालक के पद पर रहते हुए कार्यकर्त्ताओं का कुशल मार्ग दर्शन किया। सरस्वती शिशु मंदिर कोरबा के संस्थापक एवं सन 1969 से लेकर सन 1992 तक व्यवस्थापक के पद पर रहते हुए, आपने सरस्वती शिशु मंदिर का निर्माण करवाया।

आपकी हिन्दुवादी विचारधारा ने आपको बाबरी मस्जिद ढांचा ढ़हाने में सहभागिता हेतु प्रेरित किया। जिसके फलस्वरूप दिनांक 06.11.1992 को आपको गिरफ्तार किया गया। ठीक इसी तरह सन 1993 में भी दिल्ली में आयोजित हिन्दू सम्मेलन में जाते समय आपको गिरफ्तार किया गया। चूंकि निस्वार्थ सेवाभावना आपके अंदर कूट-कूट कर भरी हुई थी। अत: आपने सन 1990 में साडा (विषेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण) के चेयरमेन के प्रस्ताव को ठुकराते हुए, उसका संचालक सदस्य बनना स्वीकार किया। लंबे समय तक आप 37 ग्रामीण विद्यालयों में अध्यक्ष रहे और निधन तक इसका निर्वहन किया। कोरबा में सर्वब्राहमण समाज के संरक्षक सदस्य रहे। आपका कुशल मार्गदर्शन पाकर रायपुर, जबलपुर, दुर्ग, भोपाल, इटारसी, होशंगाबाद आदि स्थानों में आयोजित स्थानीय श्री गौड़ मालवीय समाज के सभी कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न होते आये हैं।

आप कोरबा (छत्तीसगढ़) में ही अपनी धर्म पत्नी श्रीमती रूक्मिणी पांडेय एवं तीन सुपुत्रों सुनील पाण्डेय, सुबोध पाण्डेय एवं पंकज पाण्डेय के साथ सामाजिक, राजनैतिक एवं पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए आपने सुपुत्रों द्वारा संचालित किराना दुकान एवं निर्माण कार्यो में मार्गदर्शन प्रदान करते रहे। आपकी एक मात्र सुपुत्री श्रीमती सुधा पुरूषोत्तम पारे जी (बी.एच.ई.एल.भोपाल से सेवानिवृत्त) के संग एक कुशल गृहणी के रूप में भोपाल में सुखमय जीवन निर्वहन कर रही हैं। स्व. श्री रामगोपाल पांडेय एक अद्वितीय व्यक्तित्व के धनी रहे। वे शिक्षा के साथ संस्कार की अनिवार्यता को जन-जन तक पहुंचाया और सुखद-समृद्ध भारत का सपना देखा।

विद्या भारती का विराट रूप लाने में स्वर्गीय श्री पाण्डेय की अहम भूमिका

विश्व की सबसे बड़ी गैर अनुदान प्राप्त शैक्षणिक संस्था विद्या भारती द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर संस्थानों का नाम सुनते ही एक ही बात मन में कौंधतीं हैं-सर्वश्रेष्ठ शिक्षा के साथ संस्कार की पाठशाला। कोरबा जिले के हर कोनों में शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में सरस्वती शिशु मंदिर/हायर सेकेण्डरी स्कूल मिल जाएंगे। सरस्वती शिशु मंदिर की नीव डालने वाले विद्वतजनों में स्वर्गीय श्री रामगोपाल पाण्डेय का नाम भी अग्र पंक्तियों में आता है और कोरबा शहर में आज जो विद्या भारती का जो विराट स्वरूप देखने को मिलता है, इन्हीं व्यक्तित्वों की देन हैं, जहां पर हजारों बच्चे शिक्षा और संस्कार के मंदिर में विद्या अध्ययन कर जीवन में सफल इंसान बन रहे हैं, जो ऊंचे ओहदे तक पहुंचने के बाद भी संस्कार को कभी नहीं भूलते। श्रेष्ठ से सर्वश्रेष्ठ बनने का प्रयास हमेशा करते रहना चाहिए-यही स्वर्गीय श्री रामगोपाल पाण्डेय का ध्येय वाक्य था। आज पूरा कोरबा उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं का सानिध्य मिला लेकिन पद लोलुपता नहीं रही

स्वर्गीय श्री रामगोपाल पाण्डेय जनसंघ, जनता पार्टी से लेकर भारतीय जनता पार्टी की स्थापना और विस्तार को महसूस किया और जिया भी। वे भारतरत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी, पूर्वगृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, पूर्व मानव संसाधन मंत्री मुरली मनोहर जोशी, मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी, सुश्री उमाभारती, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय श्री कुशाभाऊ ठाकरे जैसे दिग्गज नेताओं का सानिध्य मिला और कोरबा में जनसंघ, जनता पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के सांगठनिक ढांचे को मजबूत करने और विस्तार देने के लिए संस्थापक सदस्यों के रूप में काम किया और संस्थापक सदस्यों स्वर्गीय श्री बंशीलाल महतो, स्वर्गीय श्री बनवारी लाल अग्रवाल, प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर के साथ कार्य किया और आज भाजपा का विराट स्वरूप कोरबा को जो मिला, इन्हीं की कड़ी मेहनत और गिरे पसीने का परिणाम है। आज कोरबा में भी भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है।

संतों के सानिध्य से जीवन की सफलता

पंडित रामगोपाल पाण्डेय जी एक आध्यात्मिक चरित्र को जिते रहे। वे संतों के सानिध्य को जीवन की सफलता के लिए आवश्यक मानते थे और धार्मिक कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते थे। वे कहा करते थे कि संतों के दर्शन से ही तीर्थ का लाभ मिल जाता है। उनकी देववाणी से जीवन में सार्थकता आती है।

सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष

स्वर्गीय श्री रामगोपाल पाण्डेय सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ हमेशा बोलते रहे और तब तक संघर्ष करते रहे, जब तक परिणाम सुखद न आ जाए। वे ब्राह्मण समाज के भी गौरव थे। उन्होंने समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया और शादियों में होने वाले फिजूल खर्चे को रोकने के लिए सामुहिक विवाह को बढ़ावा देते रहे। वे समाज में हमेशा सक्रिय रहे। वे स्थानीय श्री गौड़ ब्राह्मण समाज के आधार स्तंभ भी थे और वे होशंगाबाद, भोपाल, हरदा, इंदौर, इटारसी जैसे स्थानों में होने वाले कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। भोपाल में निर्मित सत्कार भवन में भी अपनी भूमिका निभाई। श्री गौड़ मालवीय ब्राह्मणोत्पत्ति पत्रिका के प्रकाशक भी रहे।

पर्यावरण संरक्षण मंडल की कोरबा पॉवर लिमिटेड,पताड़ी के क्षमता विस्तार के लिए आयोजित जनसुनवाई हजारों लोगों की उपस्थिति में सफलता पूर्वक सम्पन्न

क्षेत्र के गांवों में सामाजिक सरोकारों से विकास और स्व-रोजगार उपलब्ध कराने कंपनी ने जताई अपनी प्रतिबद्धता

95 प्रतिशत लोगों ने पक्ष में दिया अपना समर्थन

हजारों स्थानीय लोगों को नौकरी तथा इतने ही स्वरोजगार के मिलेंगे अवसर

कोरबा (दिव्य आकाश)।

पर्यावरण संरक्षण मण्डल द्वारा जिले के बरपाली तहसील अंतर्गत कोरबा पॉवर लिमिटेड (केपील), पताड़ी के प्रस्तावित 1600 मेगावाट के क्षमता विस्तार के लिए शुक्रवार को आयोजित जनसुनवाई सफलता पूर्वक सम्पन्न हो गई। कलेक्टर कोरबा द्वारा छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल के पर्यावरण स्वीकृति के आदेश के लिए जनसुनवाई 27 फरवरी 2026 को दोपहर 12 बजे से ग्राम सरगबूंदिया स्थित शासकीय स्कूल के खेल मैदान में आयोजित की गई। जिसमें पीठासीन अधिकारी के रूप में कोरबा के अतिरिक्त कलेक्टर देवेन्द्र पटेल, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, कोरबा के क्षेत्रीय अधिकारी अंकुर साहू मौजूद थे। इसके साथ ही एसडीएम सरोज कुमार महिलांगे, कार्यपालक अभियंता प्रसन्ना सोनकर सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। अदाणी पॉवर लिमिटेड से पर्यावरण विभाग प्रमुख आर एन शुक्ला ने केपील परियोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जनसुनवाई लगभग 2.30 घंटे तक चली। जिसमें बरपाली तहसील के ग्राम खोडुल, पताड़ी, सरगबूंदिया,पहंदा, बरीडीह, तिलकेजा इत्यादि सहित कुल 12 गांव के हजारों ग्रामीणों ने भाग लिया। इस दौरान सभा में ग्रामीणों द्वारा मुख्यरूप से क्षेत्र के विकास, नौकरी और स्वरोजगार के लिए उचित प्रबंध सहित कई बातों तथा सुझावों को पीठासीन अधिकारी ने बड़े ही ध्यानपूर्वक सुनकर कंपनी के अधिकारियों की उपस्थिति में संबंधित मांगों पर विचार करने का भरोसा दिलाया।

इस तरह जन सुनवाई में पधारे 95 फीसदी लोगों ने अदाणी पॉवर लिमिटेड के केपील की 800 मेगावाट की दो इकाईयों के क्षमता विस्तारण का समर्थन किया। लोक सुनवाई में उपस्थित सरपंचों में ग्राम पताड़ी के प्रधान सिंह ठाकुर, सहित ग्राम पहंदा की श्रीमती संगीता कंवर, सरगबुँदिया के अश्वनी कुमार तंवर, ढ़नढ़नी के कन्हैय्या बिंझवार, खोडुल की श्रीमती निकिता सिंह, संडैल की श्रीमती उषा धनंजय बिंझवार, बरीडीह की श्रीमती रिंकी कंवर, कटबितला की श्रीमती अचला कंवर, ग्राम अखरापाली की श्रीमती गीता बाई मांझी, उरगा की श्रीमती ललिता बाई जगत, बरपाली के भुनेश्वर बिंझवार तथा तिलकेजा की श्रीमती तेरस बाई सहित सभी ग्राम सचिव व हजारों की संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने समर्थन में अपनी बात रखी। इसके अलावा तिलकेज से किशन साव, भाजपा अखरापाली की जनपद सदस्य श्रीमती कमलेश्वरी कंवर व अजय कंवर, जनपद के पूर्व अध्यक्ष और बरपाली तहसील के अग्रवाल समाज के अध्यक्ष किशन अग्रवाल भाजपा उरगा के मंडल अध्यक्ष किशन साव तथा भाजपा बरपाली के मंडल अध्यक्ष राजू साहू ने कहा, कि केपील संयंत्र के क्षमता विस्तारण से क्षेत्र में विकास के नए आयाम खुलने के साथ ही हजारों लोगों को नई नौकरियां मिलने की संभावनाएं और स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होने की उम्मीद जताते हुए अपनी सहमति प्रदान करने की बात कही।

रिसदिहापारा की एक महिला ग्रामीण श्रीमती भारती कुर्रे ने जनसुनवाई के दौरान कहा कि, 'कोरबा पॉवर लिमिटेड के आने से हमारे गाँव में विकास के कई कार्य बड़ी ही तेज गति से संचालित हो रहे हैं। गांवों की सड़कें अब सोलर लाइट से जगमगाने लगी हैं। वहीं शिक्षा के क्षेत्र में भी शाला विकास के साथ साथ विद्यार्थियों को बैग सहित कापी, जेमेट्री बॉक्स इत्यादि भी बाँटे गए। जिसमें सभी आसपास के गांव इनकी सभी कार्यक्रमों से लाभान्वित हैं। इसलिए मैं अदाणी कोरबा पॉवर लिमिटेड के संयंत्र विस्तारण का समर्थन करती हूँ।'

सभा में ग्राम पहंदा की सरपंच श्रीमती संगीता कंवर ने कहा कि, 'जब से अदाणी पॉवर लिमिटेड हमारे गांव में आया है तब से हमारे गांव में विकास की लहर उठ गई है। यहां अब गांव की सड़कों में अब उजाला पसर गया है। वहीं हमें पीने के लिए अब शुद्ध पानी मिलने लगा है। अदाणी फाउंडेशन की सामाजिक सहभागिता के कार्यों से सभी पास के ग्रामों में भी स्वास्थ्य, शिक्षा आजीविका के कार्ये से लोगों का समुचित विकास हो रहा है। इसलिए मैं हमारे गांव तथा क्षेत्र में अदाणी पॉवर लिमिटेड के विस्तार का समर्थन करती हूँ।'

उल्लेखनीय है कि अदाणी पॉवर लिमिटेड की कोरबा जिले के बरपाली तहसील में स्थित कोरबा पावर लिमिटेड में सब क्रिटिकल तकनीक की 300 मेगावाट की दो इकाइयां अर्थात कुल 600 मेगावाट की क्षमता विगत पंद्रह सालों से संचालित है। जिसके सामाजिक सराकारों के तहत आसपास के करीब 25000 से अधिक जनसंख्या वाले 12 से अधिक ग्रामों में अदाणी फाउंडेशन के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका उन्नयन और ढांचागत विकास के कई कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। जन सुनवाई के सफल होने पर उपस्थित लोगों ने खुशी जाहीर की।

जनसुनवाई के अंत में अदाणी पॉवर लिमिटेड के प्रोजेक्ट प्रमुख सी वी के प्रसाद ने कहा कि, 'परियोजना के आने से जहां रोजगार सृजन से हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा तो वहीं सामाजिक सरोकारों के जरिए ग्रामों में शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना विकास के नए आयाम खुलेंगे। अदानी पॉवर क्षेत्र में रोजगारोन्मुख, विकासात्मक तथा ग्रामों के उन्नयन के लिए प्रतिबद्ध है।' उन्होंने जनसुनवाई में कंपनी की पक्ष में अपने विचार रखने उपस्थित सभी ग्रामीणजनों, प्रशासनिक अधिकारियों, हितधारकों, तथा जनसुनवाई के आयोजन में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से भाग लेने वाले सभी लोगों को धन्यवाद ज्ञापित कर आभार जताया।

सीमेकॉन (CIMECON) 2026 के प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप एवं वैज्ञानिक सत्र का शुभारंभ

कोरबा (दिव्य आकाश)।

एसईसीएल की मेजबानी में आयोजित की जा रही कोल इंडिया मेडिकल कॉन्फ्रेंस सीमेकॉन 2026 के अंतर्गत आज प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप एवं वैज्ञानिक सत्र का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री बिरंची दास, निदेशक (मानव संसाधन), एसईसीएल द्वारा किया गया।

अपने संबोधन में बिरंची दास ने कहा कि 'हेल्दी माइन्स' केवल एक थीम नहीं, बल्कि आने वाले समय की चुनौतियों का सामना करने की हमारी सामूहिक तैयारी का संकल्प है। उन्होंने कहा कि भविष्य में एक स्वस्थ, सक्षम और सजग कार्यबल ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति होगी। इसलिए व्यावसायिक स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सशक्त बनाना, खदान क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों की नियमित स्वास्थ्य जाँच, समयबद्ध निदान तथा उन्नत चिकित्सा पद्धतियों का प्रभावी उपयोग अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों की बढ़ती भूमिका पर भी बात की।

इस अवसर पर डॉ. श्रुतिदेव मिश्रा, चिकित्सा सेवा प्रमुख, एसईसीएल, डॉ. कल्याण सरकार, चिकित्सा सेवा प्रमुख, सोहागपुर क्षेत्र तथा डॉ. अरिहंत जैन, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, आईवीएचसी (इंदिरा विहार), एसईसीएल, एवं विभिन्न अनुषंगी कंपनियों एवं देश के बड़े अस्पतालों से आए सहित चिकित्सा

अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रथम वैज्ञानिक सत्र में ऑक्यूपेशनल हेल्थ पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें स्पाइरोमेट्री, चेस्ट एक्स-रे, ILO रेडियोग्राफ्स एवं न्यूमोकोनियोसिस तथा IME एवं PME से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। इन विषयों के माध्यम से खदान क्षेत्रों में प्रचलित श्वसन संबंधी रोगों की पहचान, रोकथाम एवं प्रभावी प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया।

द्वितीय वैज्ञानिक सत्र में इस्केमिक हृदय रोग में ईसीजी की भूमिका पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें हृदय रोगों के शीघ्र निदान एवं उपचार में ईसीजी की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। प्रस्तुतियों के दौरान व्यावहारिक उदाहरणों एवं केस-आधारित चर्चा के माध्यम से चिकित्सकों को उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

दोपहर बाद आयोजित डीएनबी सत्र में युवा चिकित्सकों द्वारा जटिल चिकित्सीय विषयों पर केस प्रस्तुतियाँ दी गईं। इनमें कोयला खनिक में हेमोप्टाइसिस के कारणों की समीक्षा, युवा वयस्कों में हाइपरट्रॉफिक ऑब्स्ट्रक्टिव कार्डियोमायोपैथी तथा हाइपरऑस्मोलर हाइपरग्लाइसेमिक नॉन-कीटोटिक अवस्था जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे। सत्र में निर्णायक मंडल द्वारा प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया गया।

सीमेकॉन 2026 में कोल इंडिया एवं उसकी सहायक कंपनियों सहित विभिन्न प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों के 250 से अधिक चिकित्सक भाग ले रहे हैं। सम्मेलन का प्रथम दिन ज्ञानवर्धक चर्चाओं एवं सार्थक विमर्श के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसने आगामी सत्रों के लिए एक सशक्त आधार प्रदान किया।

होली का उपहार : किसानों को समर्थन मूल्य की अंतर राशि का एकमुश्त भुगतान

कोरबा (दिव्य आकाश)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप सुशासन सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान विक्रय करने वाले किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से अंतर की राशि का एकमुश्त भुगतान होली पर्व से पूर्व आज उनके बैंक खातों में अंतरित किया गया। राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन बिलासपुर जिले के बिल्हा विकासखंड अंतर्गत ग्राम रहंगी में किया गया, जहां मुख्यमंत्री श्री साय ने योजना अंतर्गत प्रदेश के 25 लाख से अधिक किसानों के खातों में 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण किया तथा कृषकों से संवाद भी किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कोरबा जिले के हरदीमहुवा, ग्राम देवपहरी निवासी कृषक सुखन साय कोरवा से संवाद कर योजना के लाभ की जानकारी ली। उन्होंने कृषक से खेती की भूमि, उत्पादन एवं आदान सहायता राशि के उपयोग के संबंध में चर्चा की। कृषक श्री कोरवा ने बताया कि प्राप्त राशि का उपयोग वे अपने आवास निर्माण कार्य में करेंगे।

जिला स्तरीय समारोह सीएसईबी फुटबॉल ग्राउंड में आयोजित

कोरबा जिले में जिला स्तरीय समारोह का आयोजन सीएसईबी फुटबॉल ग्राउंड में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया।

कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि होली का पावन पर्व रंग, उमंग और आपसी भाईचारे का प्रतीक है, और इस अवसर पर किसानों के खातों में अंतर राशि का अंतरण वास्तव में उनके लिए दोहरी खुशी लेकर आया है। एक ओर जहां पूरा प्रदेश होली के उत्साह में सराबोर है, वहीं दूसरी ओर सरकार द्वारा किए गए वचन-पूर्ति ने किसानों के परिश्रम को सम्मान देते हुए उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 'मोदी की गारंटी' के अंतर्गत किसानों का धान सर्वाधिक समर्थन मूल्य पर खरीदने का जो संकल्प लिया था, उसे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व में पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूरा किया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में किसानों के समग्र विकास के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के

माध्यम से किसानों को प्रतिवर्ष आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, वहीं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत प्राकृतिक आपदा या फसल क्षति की स्थिति में उन्हें सुरक्षा कवच उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सिंचाई, कृषि यंत्रीकरण, भूमिहीन किसानों के सशक्तिकरण के लिए भी विभिन्न योजनाएं संचालित हैं, जिनसे किसानों की आय में वृद्धि और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित हो रही है।

मंत्री श्री देवांगन ने बताया कि कोरबा जिले के कुल 43 हजार 681 किसानों के खातों में आज 200.81 करोड़ रुपये की अंतर राशि अंतरित की जा रही है, जो जिले के कृषकों के लिए बड़ी सौगात है। उन्होंने कहा कि यह राशि किसानों के परिवारों की आवश्यकताओं की पूर्ति, कृषि कार्यों में निवेश तथा सामाजिक-आर्थिक उन्नति में सहायक सिद्ध होगी। अंत में उन्होंने सभी कृषकों को होली पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए इस ऐतिहासिक पहल पर बधाई प्रेषित की।

महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने अपने संबोधन में कहा कि कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत आज का दिन पूरे छत्तीसगढ़ के लिए खुशहाली का प्रतीक है। किसानों के चेहरों पर आई मुस्कान सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है और किसानों के हित में लिए जा रहे निर्णय उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बना रहे हैं।

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने कहा कि कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत जिले के सभी विकासखंडों में आदान सहायता राशि वितरण समारोह आयोजित किए गए हैं। राज्य सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के पश्चात अंतर राशि का भुगतान आज किसानों के खातों में पहुंच रहा है। उन्होंने उपस्थित किसानों का स्वागत करते हुए सभी को आगामी होली पर्व की शुभकामनाएं दीं।

विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को सामग्री एवं सहायता का वितरण

कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाए गए, मंत्री श्री देवांगन ने स्टालों का अवलोकन कर विभागीय अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति एवं हितग्राहियों को दिए जा रहे लाभों की जानकारी प्राप्त की जिनमें बीज निगम, सीएसपीडीसीएल, स्व-सहायता समूह, कोसा विभाग, मत्स्य पालन विभाग, पशुधन विभाग, सहकारिता विभाग, कृषि विभाग एवं किसान पंजीयन से संबंधित स्टॉल शामिल थे।

इस अवसर पर कृषि विभाग द्वारा 11 हितग्राहियों को विद्युत पम्प, सहकारिता विभाग द्वारा 5 हितग्राहियों को केसीसी ऋण, मत्स्य विभाग द्वारा 8 हितग्राहियों को महाजाल 2 आइस बॉक्स 2 एवं 4 ग्रोथ प्रमोटर, रेशम विभाग द्वारा 8 हितग्राहियों को कोसाफल राशि के चेक, उद्यान विभाग द्वारा 10 हितग्राहियों को अनुदान राशि एवं प्रमाण पत्र तथा पशु चिकित्सा विभाग द्वारा 6 हितग्राहियों को डेमो चेक प्रदान कर लाभान्वित किया गया। सभी हितग्राहियों को यह सामग्री एवं प्रमाण पत्र मंत्री श्री देवांगन के करकमलों से प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग, नरेंद्र देवांगन, लक्ष्मण श्रीवास, प्रफुल्ल तिवारी, कृषि स्थाई समिति की सभापति श्रीमती सुष्मिता कमलेश अनंत, श्रीमती रेणुका राठिया सहित कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ में अलग-अलग सड़क हादसों में 3 मौतें:ट्रक की चपेट में आया वीडियोग्राफर, प्लांट जा रहे मजदूर को ट्रक ने रौंदा

कोरबा/रायपुर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटे में अलग-अलग जिलों में हुए सड़क हादसों में 3 युवकों की मौत हो गई। कोरबा में भारी वाहन की चपेट में आने से एक वीडियोग्राफर की जान चली गई। वह होली सेलिब्रेशन में फोटो शूट के ऑर्डर के संबंध में बात करने जा रहा था।

दुर्ग जिले में सीमेंट प्लांट में काम करने जा रहे मजदूर की बाइक को ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पीछे बैठा दोस्त बाल-बाल बच गया।

तीसरा हादसा मनेंद्रगढ़ जिले में हुआ। जहां कंटेनर वाहन और बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत में बाइक सवार कर्मचारी की मौके पर ही मौत हो गई।

कोरबा में वीडियोग्राफर की मौत

कोरबा में मानिकपुर रेलवे कॉलोनी मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार भारी वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना 27 फरवरी की रात पेट्रोल पंप के पास हुई। हादसे के बाद वाहन चालक फरार हो गया। सूचना मिलने पर मानिकपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला मेडिकल अस्पताल भेजा।

मृतक की पहचान गौरव श्रीवास (22) के रूप में हुई है, जो सीएसईबी का निवासी था। गौरव श्रीवास पेशे से वीडियोग्राफर था। वह होली के लिए मिले वीडियोग्राफी के ऑर्डर के संबंध में बात करने जा रहा था। पुलिस की सूचना पर उसके दोस्त और परिजन घटनास्थल पर पहुंचे।

कंटेनरऔर बाइक की भिड़ंत, 1 मौत

एमसीबी जिले के खोंगापानी क्षेत्र अंतर्गत घुटरीटोला चेकपोस्ट के समीप शुक्रवार देर शाम एक सड़क हादसा हो गया। कंटेनर वाहन और बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत में बाइक सवार 27 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक की पहचान दुर्गेश केवट (27) निवासी वार्ड क्रमांक 15 मनेन्द्रगढ़ के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दुर्गेश बिजुरी की ओर से आ रहा था, तभी मनेन्द्रगढ़ से बिजुरी की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार कंटेनर वाहन से उसकी बाइक की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

घटना की सूचना मिलते ही खोंगापानी चौकी प्रभारी राकेश शर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थिति का जायजा लिया और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है और आगे की जांच की जा रही है।

येमंत साहू की सड़क हादसे में जान चली गई। वह राजनांदगांव का रहने वाला था।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 01 मार्च को

कोरबा (दिव्य आकाश)।

आगामी 02 मार्च को होलिका दहन, 04 मार्च को होली पर्व तथा 21 मार्च को ईद-उल-फितर के त्योहारों को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए जाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 01 मार्च 2026 को दोपहर 12:00 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी।

सुदिनं सुदिनं जन्मदिनं तव। भवतु मंगलं जन्मदिनम्।।

कोरबा की समृद्धि एवं विकास के अमिट हस्ताक्षर

मा. जयसिंह अग्रवाल जी

हमारे लोकप्रिय पूर्व विधायक एवं छत्तीसगढ़ के यशस्वी पूर्व मंत्री -
(राजस्व, आपदा प्रबंधन, पुनर्वास, पंजीयन और स्टॉम्प, छ.ग. शासन)

के जन्मदिन की 63वीं वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन...

01 MARCH

स्वस्थ, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की

अनंत शुभकामनाएं...

श्रीमती रेणु अग्रवाल

पूर्व महापौर-नपानि कोरबा

रिशु अग्रवाल

रोहित अग्रवाल

संजय शाह

अधिवक्ता / वरिष्ठ कांग्रेस नेता

लक्ष्मीकांत साहू (रामा)

कांग्रेस नेता कोरबा

समस्त कांग्रेसजन, जिला-कोरबा (छ.ग.)

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े द्वारा मे. डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, नर्मदा कोल्ड्रिंक के पास बिलासपुर से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com